तापमान
अधिकतम 33.5 डिग्री
न्यूनतम 26.8 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, मंगलवार 15 जुलाई 2025

डॉयल-112 की गाड़ियों को चाहिए 'इमरजेंसी-मदद, कंडम हो चुकी, रास्ते में कहीं भी बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विकट स्थिति में लोगों की मदद करने और इमरजेंसी सेवा देने वाली डॉयल-112 को इमरजेंसी मदद की जरूरत है। डॉयल-112 की ज्यादातर गाड़ियां ढाई लाख किलोमीटर से ज्यादा चल चुकी हैं, लेकिन इन गाड़ियों को अब तक नहीं बदला गया है। इसके पीछे का कारण डॉयल-112 के लिए अब तक नई एजेंसी तय नहीं होना है। दो वर्ष पूर्व डॉयल-112 संचालित कर रहे टाटा ग्रुप का कार्यकाल समाप्त हो गया है। नई एजेंसी तय न होने की वजह से टाटा ग्रुप ही डॉयल-112 सेवा को संचालित कर रहा है। इस वजह से पुरानी गाड़ियां बदली नहीं गई हैं और पुरानी आउटडेटेड गाड़ियां डॉयल-112 ⏭शेष पेज 11 पर

हरिभूमि सरोकार

शासन स्तर पर अब तक एजेंसी तय नहीं

डॉयल-112 के लिए एजेंसी तय करने पिछले वर्ष जिकित्सा हेल्थ केयर लिमिटेड को ठेका देने की तैयारी पुलिस मुख्यालय स्तर पर हो गई थी। इस दौरान जेडएचएल के खिलाफ राजस्थान मे सीबीआई जांच तथा मध्यप्रदेश में 70 से अधिक केस दर्ज होने की जानकारी मिली। इसके बाद संबधित कंपनी को ठेका देने का निर्णय स्थगित किया गया। तब से डॉयल-112 सेवा के लिए शासन स्तर पर किसी भी तरह से कोई प्रयास नहीं किया गया है।

सरकारी गाड़ियों का दो लाख किलोमीटर चलने के बाद बदलने का नियम

- आठ साल पूर्व खरीदी गई डॉयल-112 की ज्यादातर गाड़ियां ढाई लाख किमी. से ज्यादा चल चुकी हैं

स्थिति का जायजा लेने डीजीपी स्वयं जा चुके

डॉयल-112 सेवा के सुचारू संचालन के लिए इस वर्ष मार्च महीने में राज्य के पुलिस महानिदेशक अरुणदेव गौतम स्वयं डॉयल-112 के सिविल लाइंस स्थित ऑफिस गए थे। वहां पुलिस महानिदेशक ने डॉयल-112 सेवा की जानकारी लेने के साथ ही व्यवस्था में सुधार करने जरूरी दिशा-निर्देश दिए थे। बावजूद इसके डॉयल-112 का अब तक कायाकल्प नहीं हुआ है।

डॉयल-112 की गाड़ी ने ग्रामीण को मारी टक्कर

केस 01

पेंड्रा थाना क्षेत्र में पिछले महीने जून में पेट्रोलिंग पर निकली डॉयल-112 की गाड़ी ने एक ग्रामीण को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि ब्रेक फेल होने की वजह से डॉयल-112 का ड्राइवर गाड़ी को कंट्रोल नहीं कर पाया और ग्रामीण को टक्कर मार दी। घटना पेंड्रा से लरकेनी के बीच की है। ग्रामीण राजेश लखरेजा लरकेनी से साप्ताहिक बाजार में मनिहारी की दुकान लगाने का काम करता था। राजेश वापस लौट रहा था। इस दौरान हादसा हुआ।

पेट्रोलिंग पर निकली गाड़ी बिगड़ी

केस 02

पिछले महीने रायपुर सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में देर रात पेट्रोलिंग पर निकली गाड़ी बीच रास्ते में बंद हो गई। काफी मशक्कत के बाद भी गाड़ी स्टार्ट नहीं होने पर दूसरे दिन टो कर गाड़ी को गैरेज लाया गया।

चलती गाड़ी से पहिया निकला

केस 03

इसी तरह से फरवरी में भिलाई में डॉयल-112 की गाड़ी का सामने का पहिया चलते-चलते निकल गया। गनीमत रही कि गाड़ी की रफ्तार कम थी, इस वजह से किसी को चोट नहीं आई और कोई दुर्घटना नहीं हुई।

छ.ग. के सभी शासकीय ITI में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन
cgiti.admissions.nic.in
बी.एम. आई.टी.आई.
• कोपा • इलेक्ट्रिशियन
• हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
• डीजल मैकेनिक
• फायर टेक्नालॉजी
• स्टेनो हिन्दी
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9340311314
9303893829, 9300850065
अंतिम तिथि-18/07/25

खबर संक्षेप

एनएसयूआई नेताओं पर एफआईआर

रायपुर। तरपोंगी टोल नाका में प्रदर्शन मामले में एनएसयूआई नेताओं पर एफआईआर दर्ज की गई है। रविवार को टोल नाका में स्थानीय युवाओं को रोजगार देने, छात्रों के लिए टोल प्लाजा पास उपलब्ध कराने सहित कई मांगों को लेकर यह प्रदर्शन किया गया था। प्रदेशाध्यक्ष नीरज पांडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष अमित शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी, विशाल कुकरेजा, वैभव मुंजेवार, गावेश साहू, लोमन सोनवानी, जग्गू जांगड़े, जितेश वार्मा सहित अन्य कार्यकर्ताओं पर एफआईआर दर्ज की गई है। एनएसयूआई ने बयान जारी कर कहा, यह कार्यवाही पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है और युवाओं की आवाज को दबाने का प्रयास है।

तोमर भाइयों को कोर्ट में पेश होने चार दिन की मिली मोहलत

रायपुर। सूदखोरी, मारपीट, जबरन वसूली के मामले में फरार आरोपी वीरेंद्र तोमर तथा उसके भाई रोहित तोमर को पूर्व में कोर्ट ने आदेश जारी कर 14 जुलाई को कोर्ट में पेश होने आदेश जारी किया था। कोर्ट के आदेश के बाद भी तोमर भाई सोमवार को कोर्ट में पेश नहीं हुए। सोमवार को जेएमएफसी कोर्ट ने दोनों भाइयों के लिए हाजिरी की अपेक्षा करने वाली पुनः उद्घोषणा जारी की है। दोनों भाइयों को 18 जुलाई को कोर्ट में पेश होने आदेश जारी किया गया है। आदेश की कॉपी मंगलवार को उनके घर में चस्पा की जाएगी। 18 जुलाई को कोर्ट में पेश नहीं होने पर कोर्ट एक और नोटिस जारी कर सकता है। इसके बाद दोनों भाइयों की संपत्ति कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

टोल प्लाजा में प्रदर्शन करने पर केस दर्ज

रायपुर। धरसींवा थाना क्षेत्र में चार सूत्रीय मांगों को लेकर टोल प्लाजा में प्रदर्शन कर चक्का जाम करने वाले एनएसयूआई नेताओं के खिलाफ धरसींवा पुलिस ने अपराध दर्ज की है। टोल प्लाजा में प्रदर्शन कर चक्काजाम करने के आरोप में पुलिस ने नीरज पाण्डेय तथा अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। एनएसयूआई नेताओं ने सीजी पासिंग रायपुर के वाहनों को टोल फ्री करने, स्टूडेंट को टोल पास की सुविधा देने की मांग सहित अन्य दो मांगों को लेकर प्रदर्शन कर यातायात बाधित किया था।

एक्सीडेंट करने के विवाद पर की मारपीट

रायपुर। डीडीनगर थाने में एक सब्जी कारोबारी ने एक अन्य के खिलाफ एक्सीडेंट करने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। ओमप्रकाश साहू ने सलीम के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है।

बिलासपुर नकल प्रकरण के बाद सख्त हुआ व्यापम, 24 घंटे के भीतर बदले गए नियम

अब मेटल डिटेक्टर का प्रयोग, आधी बांह व स्लीपर में देनी होगी परीक्षा

व्यापम में नकल के बाद सिस्टम हुआ सख्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

व्यापम अध्यक्ष ने सभी कलेक्टरों पत्र लिखकर दिए निर्देश, पहली बार ड्रेस कोड लागू

बिलासपुर में नकल प्रकरण सामने आने के बाद व्यापम सख्त हो गया है। 24 घंटे के भीतर ही व्यापम ने अपने नियम बदल दिए हैं। अब व्यापम की सभी परीक्षाओं में मेटल डिटेक्टर से जांच अनिवार्य कर दी गई है। अब तक केवल हाथों से ही तलाशी ली जाती थी। इसके कारण परीक्षार्थियों के अंतःवस्त्र में छिपे हुए उपकरण पकड़ में नहीं आ सके। व्यावसायिक परीक्षा मंडल की अध्यक्ष डॉ.रेणु पिल्ले ने सभी जिला कलेक्टर को पत्र जारी कर व्यापम परीक्षा केंद्रों में मेटल डिटेक्टर की व्यवस्था करने कहा है।

खास खबर

जारी निर्देश में कहा गया है कि हैंडडेल्ड मेटल डिटेक्टर के साथ हाथों से भी तलाशी ली जाए।

महिला अभ्यर्थियों की तलाशी महिला पुलिस कर्मी तथा पुरूष अभ्यर्थियों की तलाशी पुरूष पुलिस कर्मी से ही कराई जाएगी। परीक्षा प्रारंभ होने के 2.30 घंटे पूर्व ये पुलिस कर्मी अनिवार्य रूप से अपनी उपस्थिति केंद्र में देंगे। परीक्षा प्रारंभ होने के बाद इन दोनों पुलिस कर्मी में से एक-एक पुलिस कर्मी अंदर व बाहर का निरीक्षण करते रहेंगे ताकि कोई संदिग्ध गतिविधि ना हो।

20 जुलाई को होने वाली जल संसाधन इंजीनियर भर्ती परीक्षा से लागू होंगे नए नियम, शुरू की गई तैयारी

परीक्षाओं में चयन नहीं होने पर अपनाया शॉर्टकट

सिविल इंजीनियर युवती ने यू-ट्यूब से सीखा नकल का तरीका

हरिभूमि फॉलोअप

केन्द्र पहुंचने के बाद सेटअप तैयार किया

पीएससी में भी नहीं है ड्रेसकोड

व्यापम की परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को भी अब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं की तर्ज पर ड्रेसकोड का पालन करना होगा। परीक्षार्थी केवल आधी बांह के कपड़ों में ही परीक्षा दिलाने जा सकते हैं। इसके अलावा किसी भी तरह के आभूषण भी बैन कर दिए गए हैं। नकल प्रकरण के बाद व्यापम पीएससी से भी अधिक सख्त हो गया है। व्यापम से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों से भी नियमों का सख्ती से पालन करने कहा गया है।

आईटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज

इधर, मामले के तुल पकड़ने के बाद पुलिस पर जांच का दबाव बढ़ गया है। पुलिस ने मामले में दोनों युवतियों के खिलाफ धारा 112, बीएनएस, 67 आईटी एक्ट सहित चीटिंग और षड्यंत्र का केस दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों युवतियां आपस में बहन हैं, जो जशपुर की रहने वाली हैं। बड़ी बहन लोयला स्कूल में टीचर है। आर्थिक तंगी के कारण छोटी बहन की नौकरी लगाने के लिए उसने ऑनलाइन शॉपिंग के जरिए नकल के लिए इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स मंगाए थे। 10 दिन पहले उसकी डिलीवरी हुई थी। बिलासपुर एसएसपी ने मामले में आगे की जांच के लिए एडिशनल एसपी के नेतृत्व में टीम गठित कर दिया है। आगे पुलिस रिमांड लेकर युवतियों से विस्तृत पूछताछ की जाएगी। एसएसपी ने बताया कि, इस षड्यंत्र व रैकेट में जो भी शामिल होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। हम कड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं।

नीट की तर्ज पर व्यवस्था

नकल रोकने व्यापम नए सिरे से व्यवस्था कर रहा है। नीट की तरह आधी बांह के कपड़ों और स्लीपर में अभ्यर्थी पर्चे हल करेंगे।

- केदार पटेल
सह परीक्षा नियंत्रक
व्यापम

परीक्षार्थियों के लिए भी निर्देश जारी

नकल प्रकरण के बाद व्यापम ने अपनी व्यवस्थाओं में बदलाव करने के साथ ही परीक्षार्थियों के लिए भी दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। व्यापम परीक्षार्थियों को अब नए बदलाव का सामना करना होगा। व्यापम ने इन्हें अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। जल संसाधन विभाग के अंतर्गत 20 जुलाई को होने वाली इंजीनियर भर्ती परीक्षा से ये नए नियम लागू होंगे।

- चूंकि अब मेटल से जांच होगी इसलिए छात्रों को कम से कम 2 घंटे पहले परीक्षा केंद्र में पहुंचना होगा।
- परीक्षा शुरू होने के 15 मिनट पूर्व मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। अब तक परीक्षा शुरू होने के 5 मिनट पहले द्वार बंद किए जाते थे।
- हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनने होंगे।
- घड़ी, पर्स, बेल्ट, टोपी आदि पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।
- जूता या सैंडिल पहनकर आने पर परीक्षार्थियों को प्रवेश नहीं मिलेगा। केवल चप्पल या स्लीपर पहने जा सकते हैं।
- कानों में किसी भी तरह के आभूषण पहनने पर पाबंदी लगा दी गई है।
- परीक्षा प्रारंभ होने के शुरुआती आधे घंटे और अंतिम के आधे घंटे में वॉशरूम जाने की इजाजत नहीं होगी।

बंगाल की खाड़ी में सिस्टम सरगुजा और बिलासपुर में होगा बारिश का ज्यादा असर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

थोड़े आराम के बाद बंगाल की खाड़ी में तैयार हुए नए सिस्टम से प्रदेश में एक बार फिर बारिश की वापसी होगी। इस बार वर्षा का प्रमुख केंद्र बिलासपुर और सरगुजा संभाग होगा। मध्य और बस्तर में 16 से 18 जुलाई तक इसका हल्के से मध्यम असर रहने की संभावना है। पिछले चौबीस घंटे में सरगुजा संभाग के प्रतापपुर और वाड्रफनगर में जोरदार बारिश हुई है।

- मध्य और बस्तर में मध्यम असर, 16 से बदेलगा मौसम

शहर में सोमवार को छाए बादलों की वजह से तापमान में थोड़ी गिरावट दर्ज की गई। शाम होने के बाद मौसम में थोड़ा बदलाव होता दिखा, मगर कुछ देर चली तेज हवा के बाद मौसम सामान्य हो गया। प्रदेश में बुधवार से एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, एक चिन्हित निम्नदाब दक्षिण पूर्व गंगेटिक पश्चिम बंगाल और उससे लगे बांग्लादेश के ऊपर स्थित है तथा इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके अगले 24 घंटे में और प्रबल होकर उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर उत्तर पूर्व राजस्थान और उससे लगे उत्तर पश्चिम मध्यप्रदेश के ऊपर स्थित निम्नदाब के केंद्र सीधी, रांची, दक्षिण पूर्व गंगेटिक पश्चिम बंगाल और उससे लगे बांग्लादेश के ऊपर स्थित चिन्हित निम्नदाब के केंद्र तक स्थित है। इसके प्रभाव से 16 जुलाई से 18 जुलाई तक प्रदेश के सरगुजा तथा बिलासपुर संभाग के जिलों में वर्षा होने की संभावना है।

चार साल बाद रेलवे ने यात्रियों को लौटाईं 13 लोकल ट्रेनें आज से पटरियों पर दौड़ेंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने कोरोनाकाल के दौरान बंद की गई 13 लोकल ट्रेनों को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया है। रेलवे बोर्ड से अनुमति मिलने के बाद जोन प्रबंधन 15 जुलाई से इन ट्रेनों का नियमित संचालन शुरू करने की तैयारी में है। सभी ट्रेनें पूर्व निर्धारित समय सारिणी के अनुसार चलेंगी। इन ट्रेनों के पुनः संचालन से रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, कटंगी और इतवारी सहित कई छोटे-बड़े स्टेशनों के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। लोकल ट्रेनों की कमी के कारण यात्रियों को लंबे समय से परेशानी हो रही थी। इस मुद्दे को सांसदों ने भी बैठक में उठाया था, जिसके बाद रेलवे ने बहाली का निर्णय लिया। रायपुर से बिलासपुर, राजनांदगांव और डोंगरगढ़ के बीच हजारों यात्री रोजाना सफर करते हैं। रायपुर मंडल ⏭शेष पेज 11 पर

- लगातार मांग के बाद रेलवे ने ट्रेनों की बहाली का लिया निर्णय

15 और 16 जुलाई से चलेंगी ये ट्रेनें

- 08741 रायपुर–डोंगरगढ़ : 15 जुलाई रायपुर से शाम 6.15 बजे रवाना होकर रात 9.10 बजे डोंगरगढ़ पहुंचेगी।
- 08265 रायपुर–रायगढ़ : 15 जुलाई रायपुर से सुबह 7 बजे निकलेगी, दोपहर 1.45 बजे रायगढ़ पहुंचेगी।
- 08745 रायपुर–कांकेर : 15 जुलाई रायपुर से सुबह 5.30 बजे निकलेगी, 10.30 बजे कांकेर पहुंचेगी।
- 08743 रायपुर–डोंगरगढ़ : 16 जुलाई रायपुर से सुबह 9.45 बजे निकलेगी, दोपहर 12.40 बजे डोंगरगढ़ पहुंचेगी।
- 08742 डोंगरगढ़–रायपुर : 15 जुलाई डोंगरगढ़ से सुबह 6.10 बजे निकलेगी, सुबह 9 बजे रायपुर पहुंचेगी।
- 08266 रायगढ़–रायपुर : 15 जुलाई रायगढ़ से दोपहर 2.15 बजे निकलेगी, रात 9.15 बजे रायपुर पहुंचेगी।
- 08746 कांकेर–रायपुर : 15 जुलाई कांकेर से दोपहर 1 बजे निकलेगी, शाम 6 बजे रायपुर पहुंचेगी।
- 08744 डोंगरगढ़–रायपुर : 16 जुलाई डोंगरगढ़ से दोपहर 1.10 बजे निकलेगी, शाम 4.05 बजे रायपुर पहुंचेगी।
- 07889 गोंदिया–कटंगी : 15 जुलाई गोंदिया से सुबह 5.30 बजे निकलेगी, सुबह 6.30 बजे कटंगी पहुंचेगी।

⏭शेष पेज 11 पर

पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा, कांकेर की युवती से किया रेप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

डीडीनगर पुलिस ने कांकेर की युवती की शिकायत पर एक व्यक्ति को रेप के आरोप में गिरफ्तार किया है। युवती ने आरोप लगाया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी चंद्रमा प्रसाद मिश्र से दोस्ती हुई थी। चंद्रमा ने युवती को अपना परिचय पुलिस अधिकारी के रूप में देते हुए नौकरी दिलाने का झांसा देकर रायपुर बुलाया और उसके साथ रेप किया।

- जूस में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया, फिर किया अनाचार

युवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि चंद्रमा उसे रायपुर बुलाकर इंद्रप्रस्थ कॉलोनी के एक मकान में ले गया और उसे वहां उसने नशीला पदार्थ मिलाकर पीने के लिए जूस दिया। जूस पीने के बाद वह बेहोश हो गई। उसके बाद चंद्रमा ने युवती के साथ रेप करने का वीडियो बना लिया। कांकेर पहुंचने के बाद चंद्रमा ने युवती को फिर से रायपुर बुलाया। इंकार करने पर चंद्रमा ने युवती को उसका अश्लील वीडियो भेजकर सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी दी तथा लगातार शारीरिक शोषण किया। ⏭शेष पेज 11 पर

शराब घोटाले के 23 आरोपी अफसरों की अर्जी इधर, कस्टम मिलिंग केस में रिमांड बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य के चर्चित शराब घोटाले में जिन 29 आबकारी अफसरों के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने पिछले दिनों विशेष अदालत में चालान पेश किया था, उनमें से 23 अफसरों ने अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट में आवेदन पेश किया है। इसी तरह पिछले सप्ताह कस्टम मिलिंग घोटाले में आरोपी बनाए गए पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा तथा अनवर ढेबर की स्पेशल कोर्ट ने पुलिस रिमांड 21 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी है। इधर, कोल घोटाले में लंबे अरसे से फरार चल रहे सूर्यकांत तिवारी के चचेरे भाई नवनीत तिवारी को ईओडब्ल्यू के आवेदन पर पूछताछ के लिए 21 जुलाई तक पुलिस रिमांड स्वीकृत की है।

हरिभूमि फॉलोअप

2174 करोड़ रुपए के आबकारी घोटाले को लेकर पिछले दिनों ईओडब्ल्यू तथा एसीबी की टीम ने आबकारी अधिकारियों की भूमिका को लेकर कोर्ट में 21 सौ पन्नों का चालान पेश किया था। चालान पेश होने के समय सभी नामजद आबकारी अधिकारियों को कोर्ट ने उपस्थित होने का आदेश दिया था। आदेश के बाद भी आबकारी अधिकारी कोर्ट में पेश नहीं हुए। इसके बाद कोर्ट ने सभी नामजद आबकारी अफसरों को 18 जुलाई को अनिवार्य रूप से कोर्ट में उपस्थित होने का आदेश दिया है।

अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर की पुलिस रिमांड 21 जुलाई तक बढ़ी

इस वजह से अग्रिम जमानत के लिए आवेदन

आबकारी अधिकारियों के खिलाफ कोर्ट में पेश चालान में उन पर घोटाले को अंजाम देने के गंभीर आरोप ईओडब्ल्यू ने लगाए हैं। इस वजह से आबकारी अधिकारियों को अपनी गिरफ्तारी का भय सता रहा है। गिरफ्तारी से बचने आबकारी अफसरों ने कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन पेश किए हैं। आबकारी अधिकारियों ने अपने आवेदन में शराब घोटाले की जांच में ईओडब्ल्यू को पूर्व में किए गए सहयोग करने का हवाला देते हुए अग्रिम जमानत का आवेदन पेश किया है।

भूमिका सामने आने के बाद गिरफ्तारी

पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा तथा अनवर ढेबर के शराब घोटाले की तरह 140 करोड़ रुपए से ज्यादा के कस्टम मिलिंग घोटाले में भूमिका सामने आने के बाद ईओडब्ल्यू ने पिछले सप्ताह बुधवार को गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने दोनों की गिरफ्तारी पर मुहर लगाते हुए 14 जुलाई तक पुलिस रिमांड स्वीकृत की थी। पीआर समाप्त होने के बाद सोमवार को दोनों आरोपियों को पुनः कोर्ट में पेश किया गया। कोल घोटाला मामले में ईडी द्वारा केस दर्ज करने के बाद से वर्ष 2022 से फरार चल रहे नवनीत तिवारी को ईओडब्ल्यू ने रविवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए 21 जुलाई तक रिमांड पर लिया है।

नगर निगम में फिर प्रशासनिक सर्जरी, एक उपायुक्त, तीन प्रभारी उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- आयुक्त विश्वदीप ने जारी किया कार्य विभाजन का नया आदेश

रायपुर नगर निगम में प्रशासनिक सर्जरी हुई है। निगम में सोमवार को जारी आदेश के अनुसार एक उपायुक्त और तीन प्रभारी उपायुक्त हो गए। हाल ही में दो प्रभारी उपायुक्त को भी जिम्मेदारी दी गइ्र है। निगम आयुक्त विश्वदीप ने कार्य विभाजन का नया आदेश जारी किया है, यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है। निगम आयुक्त ने सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से आदेश जारी कर प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक निगम मुख्यालय प्रभारी उपायुक्त प्रीति सिंह को पूर्व में सौंपे गए कार्यो से मुक्त कर स्वास्थ्य अधिकारी का कार्य सौंपा है, इसी तरह वे डॉग कंट्रोल, महापौर गैंग, सेंट्रल गैंग, काऊकैचर, एनयूएलएम, एमएमयू का कार्य देखेंगी।

इसी प्रकार निगम मुख्यालय प्रभारी उपायुक्त तुलसी राठौर को जोन 4, 5, 6, 7, 8 के राजस्व विभाग के री-असेसमेंट सर्वे कार्य के निरीक्षण ⏭शेष पेज 11 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

भ्रम के जाल से बाहर नहीं निकल पाया अंगदान, अब तक केवल 21 किडनी, 6 लिवर प्रत्यारोपित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विभिन्न तरह के भ्रमों के जाल से अंगदान अब तक बाहर नहीं निकल पाया है। इसकी वजह ढाई साल से ज्यादा वक्त बीतने के बाद भी केवल 21 किडनी और 6 लिवर प्रत्यारोपण की प्रक्रिया पूरी हो पाई है। राज्य अंग एवं उतक प्राधिकरण (सोटो) के पास 210 आवेदन लंबित हैं और ढाई माह बीतने के बावजूद अंगदान नहीं हो पाया है।

राज्य अंग एवं उतक प्राधिकरण द्वारा अंगदान से जुड़े भ्रम दूर कर लोगों को इसकी महत्ता बताने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार अंगदान शब्द सुनते ही मन में कई तरह के सवाल और शंकाएं उठती हैं। यह चिंता या डर अक्सर जानकारी के अभाव और समाज में फैली अफवाहों के कारण होते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि अंगदान एक महान मानवीय कार्य है, जो मृत्यु के बाद भी किसी और को जीवन देने का अवसर प्रदान करता है। अंगदान से शरीर की बाहरी संरचना और गरिमा की कोई हानि नहीं होती और अंतिम संस्कार धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूर्ण गरिमा से किया जा सकता है। किसी भी उम्र का व्यक्ति अंगदाता बन सकता है। यहां तक कि 70 वर्ष की आयु के बाद भी कुछ अंग और ऊतक उपयोगी हो सकते हैं। अंतिम निर्णय चिकित्सकीय जांच के आधार पर किया जाता है। अंगदाता के रूप में पंजीकरण करना सराहनीय है, पर यदि किसी व्यक्ति ने पंजीकरण नहीं कराया हो तो ब्रेन डेड के बाद उनके परिजन भी अंगदान की अनुमति देकर यह कार्य कर सकते हैं। कोई भी व्यक्ति जो कि 18 वर्ष की आयु से ऊपर हैं, वे नोटो की या सोटो छत्तीसगढ़ की वेबसाइट पर जाकर फॉर्म के लिंक को क्लिक कर अपने आधारकार्ड के माध्यम से खुद के अंगदान करने के लिए प्रतिज्ञा ले सकता है। विभिन्न कोशिशों के बाद भी अंगदान करने वालों की संख्या ब्रेनडेड होने वाले मरीजों के हिसाब से नहीं बढ़ पा रही है। पिछले पांच माह से राज्य में ब्रेनडेड मरीज का केडेवर डोनेशन करने का मामला सामने नहीं आया है। जबकि 200 से ज्यादा लोगों को अंग मिलने का इंतजार है।

सोटो के पास 210 आवेदन लंबित, ढाई माह से कोई अंगदान नहीं

त्वचा दान करने वाले केवल 14

किडनी, लिवर जैसे अंगों के साथ मृत व्यक्ति की त्वचा भी किसी की जिंदगी को सुंदर बना सकती है। इसके लिए डीके अस्पताल में स्किन बैंक बनाया गया है। यहां अब तक 14 लोगों की त्वचा ही दान में मिली है। इसके लिए मरीज के ब्रेनडेड होने की आवश्यकता नहीं है। सामान्य मृत्यु के बाद भी त्वचा दान में दी जा सकती है। इन त्वचा का उपयोग कास्मेटिक सर्जरी में किया जाता है।

खबर संक्षेप

बृजमोहन ने दी दाऊलाल वैष्णव को श्रद्धांजलि

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल आज नई दिल्ली में केंद्रीय रेल, संचार एवं सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव के निवास पहुंचे, जहां उन्होंने श्री वैष्णव के पिता दाऊलाल वैष्णव के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया तथा उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री वैष्णव से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की।

मशरूम फैक्ट्री पर कार्रवाई के लिए ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

रायपुर। मशरूम फैक्ट्री से निकलने वाली दुर्गंध और सार्वजनिक जगहों पर फेंके जा रहे अपशिष्ट पर कार्रवाई के लिए कलेक्टर और क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने बताया कि खरोरा तहसील के ग्राम पिकरीडीह में स्थित मशरूम फैक्ट्री में मजदूरों को बंधक बनाकर उन्हें कई तरह की यातनाएं दी गईं। प्रशासन के हस्तक्षेप से मजदूरों को छुड़ाया गया, परंतु प्रबंधन के खिलाफ कोई भी मामला पंजीबद्ध नहीं किया गया। फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा बड़े पैमाने पर पर्यावरणीय नियमों का भी उल्लंघन किया जा रहा है, जिससे आसपास के ग्रामीण परेशान हैं। फैक्ट्री से बहुत ज्यादा दुर्गंध निकलती है, जो आसपास के गांवों तक पहुंच रही है। फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा मजदूरों के शोषण के साथ ही पर्यावरण को भी क्षति पहुंचाई जा रही है, जिस पर कार्यवाही के लिए कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर एवं क्षेत्रीय अधिकारी पर्यावरण, संरक्षण मंडल को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपने वाले राजू गायकवाड़, आलोक शुक्ला, घनश्याम वर्मा सहित शिव कुमार खुंटे आदि शामिल रहे।

प्रदेश के चार शक्कर कारखाने 565.67 करोड़ घाटे में, मंत्री ने बताया- क्यों हो रहा नुकसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के चार शक्कर कारखाने 31 मार्च 2024 की स्थिति में 565.67 करोड़ रुपए के नुकसान में चल रहे हैं। यह जानकारी सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी है। शक्कर कारखानों में घाटे की स्थिति के साथ ही यह भी सवाल किया गया था कि घाटे को नियंत्रित करने के लिए कोई नीति बनाई गई है, तो क्या है। इसके जवाब में मंत्री ने बताया कि शक्कर कारखाने के घाटे के कारणों का अध्ययन कर कारखानों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने के लिए प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है। साथ ही राष्ट्रीय स्तर की तकनीकी सलाहकार संस्थाओं राष्ट्रीय चीनी संघ नई दिल्ली तथा वसंत दादा शुगर इंस्टीट्यूट पुणे को कारखानों के तकनीकी निरीक्षण, परीक्षण कर तकनीकी परीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए अधिकृत किया गया है।

किस कारखाने को कितना घाटा

मंत्री ने जानकारी में बताया कि किस कारखानों को 31 मार्च 2024 कि स्थिति में कितना घाटा हुआ। भोरमदेव शक्कर कारखाना को 92.13 करोड़, पंडरिया शक्कर कारखाना 232.95, महामाया अंबिकापुर 125.70, दंतेश्वरी बालोद शक्कर कारखाना 114. 89 करोड़। यह कुल घाटा 565.76 करोड़ रुपए होता है।

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने दी जानकारी

घाटे का कारण क्या

मंत्री के लिखित उत्तर में बताया कि शक्कर कारखानों में घाटे के प्रमुख कारण क्या हैं। शक्कर कारखानों द्वारा नागरिक आपूर्ति निगम को प्रचलित बाजार दर से कम दर पर पीडीएस अंतर्गत शक्कर का विक्रय किया जाना, पेराई क्षमता के अनुसार गन्ने की पेराई न होना। कारखानों में स्थापित प्लांट एवं मशीनरी पुरानी होने के कारण मेंटेनेंस व्यय अधिक होना एवं पेराई क्षमता प्रभावित होना।

413 उपार्जन केंद्रों में 24.78 मीट्रिक टन धान शार्टेज

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2024-25 में राज्य के 413 धान उपार्जन केंद्रों में कुल 24.78 मीट्रिक टन धान का शार्टेज हुआ है। यह जानकारी राज्य विधानसभा में सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने विधायक कुंवर सिंह निषाद के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। मंत्री ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में राज्य के कुल 2739 उपार्जन केंद्रों में से 2025 केंद्रों का लेखा मिलान उपरांत 413 केंद्रों में 247876.37 क्विंटल धान की कमी पाई गई है। राज्य के सभी समितियों का लेखा मिलान होने के बाद खरीफ विपणन वर्ष में कुल कमी ज्ञात हो सकेगी। वर्तमान में शेष 714 उपार्जन केंद्रों में लेखा मिलान कार्य प्रगति पर है।

अरपा-भैंसाझार परियोजना : मुआवजा भुगतान के लिए दिए गए 591.79 करोड़

बिलासपुर जिले की महत्वपूर्ण सिंचाई योजना अरपा-भैंसाझार परियोजना के लिए किए गए भू-अर्जन हेतु कुल 591.79 करोड़ रुपए मुआवजा राशि जारी की गई है। यह जानकारी जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने विधायक धरमलाल कौशिक के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में दी। मंत्री ने बताया कि बिलासपुर जिले की अरपा-भैंसाझार परियोजना में नहर एवं हेडवर्क के भू-अर्जन प्रकरणों हेतु मार्च 2014 से 30 जून 2025 तक प्रशासकीय सेवा शुल्क हेतु 32.73 करोड़ एवं मुआवजा भुगतान हेतु राशि 559.06 करोड़, कुल 591.79 करोड़ की राशि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी कोटा तथा बिल्हा के खाते में जमा की गई है। इस राशि में से राजस्व विभाग द्वारा कुल 105 ग्रामों में कुल 321.83 करोड़ का भुगतान किया गया है। परियोजना के निर्माण में प्रभावित 5814 कृषकों को 321.83 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है एवं कुल 1482 कृषकों को राशि 63.86 करोड़ भुगतान किया जाना शेष है।

पूर्व राज्यपाल और मंत्री को सदन में दी श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो गया। पहले दिन की कार्यवाही की शुरुआत बेहद भावुक माहौल में हुई, जब सदन ने छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल दिवंगत शेखर दत्त और अविभाजित मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री दिवंगत राजा सुरेंद्र बहादुर सिंह को श्रद्धांजलि दी। सदन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, स्पीकर डॉ. रमन सिंह और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने दोनों दिवंगत नेताओं को याद करते हुए उनके योगदान और व्यक्तित्व को याद किया। पूरे सदन ने दोनों दिवंगतों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। सदन में वक्ताओं ने उनके साथ बिताए पलों को साझा करते हुए कहा, उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। छत्तीसगढ़ को आगे ले जाने में इन लोगों ने बड़ी भूमिका निभाई।

कार्यमंत्रणा समिति की बैठक

सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक भी हुई। बैठक में सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों और कार्य सूची पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के साथ-साथ कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री ओपी चौधरी और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी शामिल हुए।

नहीं हो रही आदिवासियों की हित रक्षा

आम आदमी पार्टी का आरोप- छत्तीसगढ़ को पूंजीपतियों को सौंपना चाहती है सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आम आदमी पार्टी ने सरकार पर आदिवासियों के हितों की रक्षा में नाकाम रहने का आरोप लगाया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, राज्यसभा सांसद और छत्तीसगढ़ प्रभारी डॉ. संदीप पाठक जगदलपुर के दौरे पर हैं। उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, सरकार बोल रही है कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलमुक्त कर देंगे। सरकार जवाब दे कि जो लोग सलवा जुडूम विस्थापित हुए थे वे लोग आज कहां हैं? पुनर्वास के तहत जो कैंप में गए थे उनकी वस्तुस्थिति क्या है? छत्तीसगढ़ प्रदेश सह प्रभारी मुकेश अहलावत ने कहा, छत्तीसगढ़ को सरकार उद्योगपतियों के हवाले करना चाहती है। राज्य में अडानी के लिए लाखों पेड़ काटे जा रहे हैं और मुख्यमंत्री एक पेड़ मां के नाम का दिखावा कर रही है।

रोजगार और पुनर्वास की व्यवस्था नहीं

आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने कहा, सरकार आदिवासियों के रोजगार की व्यवस्था आज तक नहीं कर पाई है। पुनर्वास की व्यवस्था करने में सरकार फेल रही है। आदिवासियों के लिए अच्छे स्कूलों की व्यवस्था नहीं कर पा रही है। राज्य सरकार आदिवासी अंचल में स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया नहीं कर पा रही है। आज भी अगर कोई बड़ी घटना घटती है तो उनका इलाज दंतेवाड़ा में कराना पड़ता है। प्रदेशाध्यक्ष गोपाल साहू ने कहा, सरकार पन विद्युत परियोजना के प्रभावित 53 गांव में ग्राम सभा क्यों नहीं करवा रही है? विस्थापित आदिवासी परिवारों को आज भी बुनियादी पहचान, भूमि, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रखा गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों पर तत्काल अमल हो, हथियार की रिकवरी और पुनर्वास योजनाओं का क्रियान्वयन होना चाहिए। विस्थापित आदिवासियों को जल जंगल जमीन पर अधिकार मिलना चाहिए।

महेंद्र कर्मा विवि में भर्ती में अनियमितता, साय ने कहा- जांच के बाद होगी कार्रवाई

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने प्रश्नकाल में मुद्दा उठाया कि शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर अंतर्गत सेटअप अनुसार पदों की भर्ती का मामला, कितने पदों की भर्ती स्वीकृत है? भर्ती के लिए क्या आरक्षण रोस्टर का पालन किया गया? हां तो जानकारी बताए? भर्ती के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई, यदि हां तो कब और क्या कार्यवाही हुई? जवाब में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, विश्वविद्यालय में 59 शैक्षणिक पदों पर प्राध्यापक 10, सह प्राध्यापक 19, सहायक प्राध्यापक 30 पदों की भर्ती के लिए 5 अक्टूबर 2023 को विज्ञापन जारी किया गया था। 10 में से 8 विभागों में नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। श्री चंद्राकर ने कहा, इस भर्ती में मनमानी की गई है। 46, 54, 42, 48 साल के व्यक्ति को सलेक्ट किया गया है, जबकि 40 के ऊपर के व्यक्ति की भर्ती नहीं की जा सकती। इसकी पूरी जांच कराने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर में जो भर्ती हुई है, उसके संबंध में शिकायत मिली थी। जांच कमेटी का गठन किया गया है। जांच हो रही है, रिपोर्ट आने पर कार्यवाही की जाएगी।

प्रदेश की स्कूलों में शिक्षकों के 22 हजार 464 पद रिक्त

छत्तीसगढ़ की स्कूलों में शिक्षकों को 22 हजार 464 पद रिक्त हैं। यह जानकारी मुख्यमंत्री एवं स्कूल शिक्षा विभाग के भारसाधक मंत्री विष्णुदेव साय ने विधानसभा में विधायक भोलाराम साहू के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी है। लिखित उत्तर में बताया गया है कि राज्य के 33 जिलों में प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में ये पद रिक्त हैं। शिक्षकों के रिक्त पदों की गणना में प्राचार्यों के रिक्त पदों को शामिल नहीं किया गया है। जानकारी में बताया गया है कि प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों के कुल पद 7 हजार 957, पूर्व माध्यमिक में 7 हजार 734 और हाईस्कूल- हायर सेकेंडरी में 6 हजार 773 पद खाली हैं। रिक्त पदों की संख्या देखने से साफ होता है कि सबसे अधिक पद बेमेतरा जिले में खाली हैं। ये चारों स्तर की स्कूलों में हैं। अन्य जिलों में खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, बलौदाबाजार, बिलासपुर, बलरामपुर, जगदलपुर, मुंगेली, सुकमा जिले में भी सैकड़ों पद रिक्त हैं।

सांसद बृजमोहन की मांग- सिरपुर को विश्व धरोहर घोषित किया जाए

रायपुर। धार्मिक और पर्यटन स्थलों की सुरक्षा एवं आधारभूत संरचना को लेकर प्राक्कलन समिति की बैठक में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया। सोमवार को संसद भवन नई दिल्ली में देश में धार्मिक स्थलों पर आधारभूत संरचना और सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के मूल्यांकन को लेकर बैठक हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में समिति के सदस्य बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ से जुड़े कई पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास तथा सुरक्षा से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया। श्री अग्रवाल ने पर्यटन स्थलों पर सेफ्टी और सिक्योरिटी से जुड़े मामलों पर विशेष रूप से ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ का ऐतिहासिक सिरपुर, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है, को यूनेस्को विश्व धरोहर के रूप में शामिल करने का प्रस्ताव लंबे समय से भारत सरकार के पास लंबित है। इस प्रस्ताव पर शीघ्र निर्णय लेने की आवश्यकता है। श्री अग्रवाल ने राजिम एवं चंद्रखुरी जैसे तीर्थस्थलों को धार्मिक कॉरिडोर के रूप में विकसित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्राप्त प्रस्तावों की स्थिति की जानकारी भी बैठक में मांगी। उन्होंने यह भी पूछा कि छत्तीसगढ़ से भेजे गए कुल कितने प्रस्ताव स्वीकृत हुए हैं, कितने निरस्त हुए हैं और किन-किन परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में प्रदेश के राष्ट्रीय परिषद के सदस्य भी बनेंगे प्रस्तावक, समर्थक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

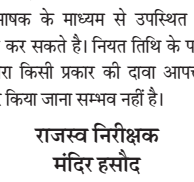

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तैयारी प्रारंभ हो गई है। संभावना है, इसी माह नए अध्यक्ष का चुनाव होगा। इस बार नए अध्यक्ष के चुनाव में छत्तीसगढ़ को भी भागीदारी निभाने का पूरा मौका मिलेगा। प्रदेश में इस बार भाजपा प्रदेश संगठन के चुनाव पूरे होने के साथ राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का भी चुनाव हो गया है। प्रदेश के राष्ट्रीय परिषद के सदस्य ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के नामांकन में प्रस्तावक और समर्थक बनेंगे। कई राज्यों की तरफ से नामांकन भरा जाएगा। छत्तीसगढ़ की तरफ से भी एक नामांकन भरे जाने की संभावना है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले देशभर के राज्यों में भाजपा संगठन के चुनाव कराए गए। छत्तीसगढ़ में ही सबसे पहले इस साल 17 जनवरी को प्रदेश संगठन के चुनाव पूरे हुए, तब यहां पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के साथ ही राष्ट्रीय परिषद के 17 सदस्यों का चुनाव कराया गया।

इनको मिलेगा प्रस्तावक समर्थक बनने का मौका

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में कई राज्यों के राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों से नामांकन फार्म में प्रस्तावक और समर्थक के रूप में हस्ताक्षर कराए जाते हैं। पिछली बार जब 2020 में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में जेपी नड्डा अध्यक्ष बने, तब छत्तीसगढ़ में प्रदेश संगठन का चुनाव पूरा न होने के कारण छत्तीसगढ़ को इसमें भागीदारी का मौका नहीं मिला था, लेकिन इस बार चुनाव पूरे होने के कारण छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय परिषद के 17 सदस्यों के साथ ही भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव को भी प्रस्तावक और समर्थक बनने का मौका मिलेगा। प्रदेश में जो राष्ट्रीय परिषद के सदस्य बने हैं, उनमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, लता उसेंडी, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, संतोष पांडेय, विजय बघेल, रूपकुमारी चौधरी, राज्यसभा सांसद राजा देवेंद्र प्रताप सिंह, विधायक विक्रम उसेंडी, पुन्नूलाल मोहले, प्रदेश के मंत्री दयालदास बघेल, केदार कश्यप, पूर्व विधायक ननकीराम कंवर और खूबचंद पारख शामिल हैं।

// आमसूचना //

सर्व साधारण को इस आम सूचना के द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के पति शिवकुमार देवांगन पिता श्री लखन लाल देवांगन निवासी ढेबर सिटी रोड, वार्ड क्र. 63, भाठागांव रायपुर तहसील व जिला रायपुर के भू-स्वामी, हक, आधिपत्य की भूमि मय मकान वाके मौजा ग्राम मठपुरैना, प.ह.नं. 00061, रा.नि.मं रायपुर - 14 - बोरियाखुर्द, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित है जिसका खसरा नं. 76/17 रकबा 0.0032 हे. पर निर्मित मकान है उक्त भूमि मय मकान पर मेरी पक्षकारा का भी संयुक्त रूप से हक एवं हिस्सा है क्योंकि उक्त मकान को क्रय करने में मेरी पक्षकारा के द्वारा भी अपना स्त्रीधन दिया गया है उक्त भूमि मय मकान को मेरे पति विक्रय करना चाहते है जबकि उन्हे ऐसा करने का कोई हक एवं अधिकार नहीं है।

अतः इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति, संस्था, निगम, बैंक, शासकीय, अर्धशासकीय निकाय आदि क्रय ना करें, यदि इस सूचना प्रकाशन के पश्चात् क्रय किया जाता है तो उक्त की जिम्मेदारी क्रेता की होगी।

सो सूचना जाने इस पर आवश्यक रूप से अमल करें।

स्थान - रायपुर (छ.ग.)
दिनांक - 14/07/2025

सुखसेन सिंह चंदेल (अधिवक्ता)
सांई डायग्नोस्टिक के पास,
कृष्णा नगर, रायपुर (छ.ग.)
मो.नं.- 9425519873

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील-मंदिर हसौद, जिला-रायपुर

// आमसूचना //

जारी दिनांक : 01/07/2025

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री शशि पिता/पति रजिंदर निवासी जगदलपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम बाहानाकाड़ी पटवारी हल्का नम्बर 13 राजस्व निरीक्षक मंडल-मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा 446/7 रकबा 0.050 हेक्टेयर का सीमांकन/बटांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 23/03/2025 के परिपालन में दिनांक 21/07/2025 को समय 01 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन/बटांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नम्बर 13 के बाहानाकाड़ी में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात् मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा आपत्ती पर विचार किया जाना सम्भव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, जिला-रायपुर (छ.ग.)

//सूचना//

प्रति,

(आवेदक)- श्री/श्रीमती शशि पति रजिंदर (संबंधित नजदीकी भूमिस्वामी), श्री सुरेंद्र/देवराज सुराना नि.- रायपुर,श्री अनिल/प्रेमचंद गोयका नि.- रायपुर श्री प्रकाश/धनराज गोलछा नि.- रायपुर श्रीमती राजकुमारी/ सुरेन्द्र केहरी नि.- रायपुर, श्री शिवकुमार/ व्यास शुक्ला नि.- बिलासपुर, श्रीमती विभा/आर. तिवारी नि.- बिलासपुर

विषयः- सीमांकन के संबंध में स्थल पर उपस्थित होने बाबत्।

संदर्भः- न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश क्रमांक Q दिनांक 03/05/2025 के अनुसार।

आवेदक के भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम बाहानाकाड़ी पटवारी हल्का नंबर 13 राजस्व निरीक्षक मंडल व तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर (छ.ग.) के आवेदित खसरा नंबर 446/7 रकबा 0.050 हे. का सीमांकन हेतु तहसील कार्यालय/अ.वि.अ. कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है, संदर्भित आदेश के परिपालन में दिनांक 21/07/2025 के समय 01 बजे सीमांकन हेतु स्थल निरीक्षण किया जाना है। अतः आवेदक एवं समीपस्थ भूमिस्वामी संबंधित दस्तावेजों सहित स्थल पर उपस्थित होवें। उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त सीमांकन तिथि के पूर्व सम्बन्धित पटवारी कार्यालय में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात् मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ती पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद

खबर संक्षेप

अभियान के तहत बांटे बेल व शमी के पौधे

आरंग। पीपला वेलफेयर फाउंडेशन पौधे दान जन अभियान मुहिम के तहत विगत तीन वर्षों से श्रावण में पौधे दान कर रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को पंचमुखी महादेव मंदिर परिसर में लोगों की धार्मिक आस्था से जुड़े शमी और बेल के सौ पौधों का वितरण किया। वहीं लोगों ने पीपला फाउंडेशन की पहल की मुक्त कंठ से सराहा। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष दूजेराम धीवर, संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल, कोषाध्यक्ष कोमल लाखोटी, सचिव अभिमन्यु साहू, सह सचिव संजय मेश्राम, सक्रिय सदस्य खिलेश देवांगन, मुरली मनोहर देवांगन, कमल नारायण साहू, देवी दयाल यादव, प्रतीक टोंड्रे, नीरज साहू, राहुल पटेल आदि की उपस्थिति व सहभागिता रही।

पंचमुखी मंदिर में हुआ मानसगान

आरंग। पंचमुखी महादेव मंदिर मे राजा मोरध्वज आध्यात्मिक धार्मिक मानस संगठन एवं मंदिर पूजारी शत्रुघ्न लोधी के सान्निध्य श्रावण महीने के प्रथम सोमवार को सीताराम शरण मानस मंडली देवरी का संगीतमय एवं व्याख्यामय राम चरित्र मानसगान का आयोजन हुआ। सती मोह प्रसंग पर व्याख्याकार सीताराम यादव ने भक्तों एवं श्रोताओं के समक्ष भगवान शंकर भजन व राम भजन मंडली के बालिका पूजा मानिकपुरी, दीप्ति साहू, भुनेश्वरी साहू द्वारा राम भजन, शंकर भजन, कायखंडी भजन गाकर मंदिर में आए हुए श्रद्धालु भक्तों का मन मोह लिया।

डीईओ ने बीईओ शैक्षणिक मामले पर चर्चा की

आरंग। सोमवार को नए जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर हिमांशु भारतीय से विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा आरंग ने सौजन्य मुलाकात की एवं आरंग विकासखंड के शैक्षिक गतिविधियों की विस्तार से आंकड़ेबद्ध जानकारी भी दी। इस अवसर पर डीईओ रायपुर हिमांशु भारतीय ने निर्देशित करते हुए कहा कि शिक्षा गुणवत्ता पर विशेष फोकस होना चाहिए एवं विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मध्यान भोजन, सतत मॉनिटरिंग, ऑनलाइन अवकाश प्रक्रिया, शाला समय सारणी का दृढ़ता से पालन, बुक स्कैनिंग, नवोदय फार्म भरने की स्थिति, भवनों की स्थिति, स्वच्छता आदि पर निर्देशित करते हुए जल्दी ही आरंग दौर में आने की बात कही। जिसका बीईओ दिनेश शर्मा ने सहर्ष स्वागत किया। इस अवसर पर विकासखंड स्रोत समन्वयक मातली नंदन वर्मा, संकुल समन्वय गण प्रहलाद शर्मा, हरीश दीवान, जितेंद्र शुक्ला, मनोज मुछावर, रोशन चंद्राकर, नरेंद्र ठाकुर, सुनील पटेल, संजय दास, प्रफुल्ल मांझी आदि की उपस्थिति रही।

गुरु खुशवंत के काफिले पर हमला, समाज ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

छत्तीसगढ़ के आरंग विधानसभा क्षेत्र से विधायक और अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब के काफिले पर अज्ञात असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। यह घटना बेमेतरा जिले के नवागढ़ क्षेत्र में उस वक्त हुई जब विधायक साहेब का काफिला गुजर रहा था। हमलावरों ने उनकी गाड़ी पर पथराव किया। इस निंदनीय घटना के विरोध में सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ के नेतृत्व में रायपुर कलेक्ट्रेट के सामने जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने घटना की तीव्र निंदा करते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर रायपुर एसपी लाल उमेद सिंह को ज्ञापन सौंपा। युवा प्रदेश अध्यक्ष कमल कुर्रे, सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ ने कहा यह सिर्फ एक जनप्रतिनिधि पर नहीं, बल्कि हमारे पूरे समाज पर हमला है। सभी ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी एवं धर्म गुरु जेड प्लस सुरक्षा की मांग की। कोमल संभाकर युवा प्रमुख, सतनामी समाज ने कहा गुरु खुशवंत साहेब हम सबके सम्मान और आवाज़ हैं। उन पर हमला हमारी अस्मिता पर हमला है। प्रशासन यदि गंभीर नहीं हुआ तो हम चुप नहीं बैठेंगे। लोकतांत्रिक तरीके से, लेकिन पूरे प्रदेश में न्याय के लिए लड़ाई लड़ी जाएगी। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में समाज के युवा मौजूद थे। सभी ने एक सुर में प्रशासन से सख्तकार्यवाही की मांग की और चेतावनी दी कि अगर दोषी पकड़े नहीं गए, तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

वाहन चालक यशवंत की सूझबूझ से टली बड़ी अनहोनी

आरंग। आरंग विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ शासन के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब के कार पर नवागढ़ क्षेत्र में हुए पथराव के समय कार चालक यशवंत गायकवाड़ की सूझबूझ, सतर्कता और साहस किसी अनहोनी बड़ी घटना से बचा लिया जिसकी सर्वत्र चर्चा हो रही है। विधायक के मीडिया प्रभारी देवेंद्र निराला ने घटना का जिक्र करते हुए बताया कि घटना के दौरान कुछ पल इतने भयावह थे कि उन्हें शब्दों में व्यक्त कर पाना कठिन है। इस दौरान कार चालक यशवंत गायकवाड़ ने संकट की घड़ी में भी अद्भुत सूझबूझ, सतर्कता और साहस का परिचय दिया। जब अचानक सामने से पथराव हुआ और वाहन असंतुलित होने की स्थिति में था, उस क्षण यशवंत गायकवाड़ ने बिना घबराए गाड़ी को पूरी समझदारी से नियंत्रित किया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई और गुरु खुशवंत साहेब और मैं कुछ समय के लिए स्तब्ध और भयभीत रह गए थे। उन्होंने इसे परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी की अपार कृपा बताते हुए कहा कि यह यशवंत की सजगता ही थी जिससे हम सुरक्षित रहे। विधायक गुरु खुशवंत सहित सभी ने यशवंत की इस सूझबूझ की प्रसंशा करते हुए उसके प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे समर्पित, निष्ठावान और साहसी साथियों पर हमें गर्व है। साथ ही हम घटना की निष्पक्ष जांच एवं दोषियों पर शीघ्र सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं। उन्होंने समाज जनों एवं क्षेत्रवासियों से अपील की हैं कि वे धैर्य बनाए रखें और अफवाहों से बचें।

रुद्राष्टाध्यायी, स्त्रोत पाठ, आरती एवं भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया

अध्यात्मिक आस्था का केंद्र बागेश्वर धाम पर पूजा के लिए सावन में उमड़े भक्त

आरंग। राजा मोरध्वज की प्राचीन नगरी आरंग जिसे मंदिरों की नगरी एवं शिवालियों की नगरी भी कहा जाता है में स्थित बाबा बागेश्वर नाथ महादेव की महिमा अत्यंत ही प्रसिद्ध है एवं जनमानस की आस्था का अदभुत केंद्र है। 108 खंभों से निर्मित मंदिर जिसमें 24 गर्भ गृह मंडप में समय को दर्शाते हुवे उत्कृष्ट वास्तु कला को समेटे हुए है जहां सूर्य की पहली किरण बाबा बागेश्वर नाथ पर पड़ती है जिससे अत्यंत ही मनोहारी दृश्य उपस्थित हो जाता है और लगता है जैसे सूर्य किरणे स्वयं भोलेनाथ का अभिषेक कर रही हैं। भक्तों की माने तो बाबा बागेश्वर नाथ अत्यंत कृपालु हैं तथा भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते है और प्रतिदिन यहां बाबा भोलेनाथ का उज्जैन के महाकाल भगवान की तर्ज पर अद्भुत श्रृंगार किया जाता है इसलिए यहां वर्ष भर अभिषेक, पूजन, अनुष्ठान आदि चलते रहते हैं। सांस्कृतिक शोध संस्थान ब्यास दिल्ली के शोधकर्ता डॉ रामावतार शर्मा के अनुसार राम गमन पथ में भक्त वत्सल भगवान राघवेंद्र सरकार ने भी यहां पूजा अर्चना की थी इसके प्रमाण मिलते है तथा मान्यता के अनुसार सिरपुर के राजा बाणासुर पहले सुरंग से आकर बागेश्वर नाथ की पूजा करते थे और फिर सिरपुर में गंधेश्वर नाथ महादेव की यह भी इस नगरी की महिमा को बताता है। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्रावणी पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया है एवं प्रतिदिन दो रुद्राभिषेक प्रथम सत्र 11.30 से 2:30 एवं द्वितीय सत्र 03 से 06 बजे तक आयोजित होगा साथ ही 11 अगस्त 2025 दिन सोमवार को सहस्त्र धारा अभिषेक, पूर्णाहुति और हवन प्रसाद वितरण होगा।

शिव कृपा से करें ग्रहशांति:आचार्य अजीत

आरंग। स्थानीय आचार्य प. अजीत कमल नारायण शर्मा ने बताया कि श्रावण के पवित्र मास में महादेव की भक्ति में सारे भक्त अपनी अनेकों मनोकामना लेकर प्रभु महादेव की पूजा करते हैं। सूर्यादि नवग्रहों के दशा,अंतर्दशा, महादशा या वक्रता के चलते जनसामान्य को अनेक प्रकार के उलझनों का भी सामना कर पड़ रहा है। महादेव के पूजन से इन ग्रहों के नकारात्मक को कम किया जा सकता है। वैसे तो सब जानते हैं कि देवाधिदेव महादेव जिसपर अपनी कृपा दृष्टि डाल दें उसका यमराज भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता। उनके प्रिय सावन मास में इन विधियों से उनकी पूजा करें तो ग्रहों के कुप्रभाव का नाश होगा। सूर्य किसी की कुंडली में अच्छे न हों तो महादेव को आक के पुष्प गंगाजल में मिलाकर चढ़ाए एवम चन्दन का लेप करें।

अग्रसेन योगासन शाखा ने किया शिवालय दर्शन

आरंग। अग्रसेन योगासन शाखा अग्रवाल पारा आरंग ने अपने नित्य दिनचर्या आसन, प्राणायाम, ध्यान योग एवं संघ प्रार्थना किया। तत्पश्चात सदस्यो ने कतारबद्ध भक्तिमय गीत गाते हुए पंचमुखी महादेव पहुंच कर सम्ब सदाशिव की बावली के जल से जलाभिषेक दर्शन, पूजा अर्चना, आरती, रुद्राष्टाध्यायी स्त्रोत पाठ एवं प्रसाद वितरण किया। मंदिर के पुजारी शत्रुहन लोधी ने जानकारी दी कि यहां स्थित बावली पुरातन काल से स्वप्न के द्वारा खोदाई से प्राप्त हुई, जहां तीन विशालकाय ब्रम्हा, विष्णु एवं शिव की ज्योतिर्लिंग निकली जिसे एक जगह पर स्थापित किया गया है। बावली से जल लेकर जोबेश्वर महादेव का भी जलाभिषेक, पूजा, रुद्राष्टाध्यायी, स्त्रोत पाठ, आरती एवं भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया। जोबेश्वर महादेव के पुजारी श्याम लोधी ने बताया कि यहां पर जो राम दरबार मंदिर जहां राम, लक्ष्मण एवं माता सीता की विग्रह स्थापित है उसे लक्ष्मी नारायण लोधी ने बनवाया है, उसका भी सदस्यों द्वारा पूजा अर्चना, आरती एवं भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया।

अस्पताल में डॉक्टरों की कमी, जनप्रतिनिधियों ने सौंपा स्वास्थ्य मंत्री के नाम ज्ञापन

अभनपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अभनपुर मे डॉक्टरो की कमी से जूझ रहे आमजनता की समस्या को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे,उपाध्यक्ष बलविंदर गांधी एवं समस्त पार्षदो ने एसडीएम अभनपुर को स्वास्थ्य मंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियो ने कहा कि अभनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मे 8 मेडिकल ऑफिसर एवं 6 विशेषज्ञ डॉक्टर शासन द्वारा स्वीकृत है लेकिन इस समय मात्र 2 डॉक्टर ही कार्यरत है,चार डॉक्टरो का एक साथ ट्रांसफर होने तथा दूसरे डॉक्टरो का यहां पर पोस्टिंग नही होने से अस्पताल की व्यवस्था चरमरा गई है यहां तक कि पोस्टमार्टम के लिए लोगो को 24 घंटे इंतजार करना पड़ रहा है,यह अस्पताल आमजनता के लिए बहुत बड़ा धोखा साबित हो रही है लोग दूर दराज से जान बचाने के लिए यहां आते है लेकिन यहां डॉक्टर उपलब्ध नही रहने से उनका कीमती समय बर्बाद होने के अलावा कुछ हासिल नही आ रहा है इस स्थिती मे बड़ी घटना घट सकती है सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अभनपुर मे रिकार्ड मे पांच डॉक्टर की नियुक्ति बताई गई है लेकिन वर्तमान मे डॉक्टर मिंज पाल लंबी छुट्टी मे है डॉ अनिता खलको उच्च शिक्षा के लिए छुट्टी मे जा रही है वही डॉ सुब्रत सिंह ठाकुर खो खो पारा रायपुर मे विगत डेढ़ वर्षो से अटैच मे है, उपस्थत जनप्रतिनिधियो ने कहा कि अस्पताल मे पहुंचने वाले मरीज व्यवस्था को लेकर फोन करते है लेकिन चाह कर भी आमजनता की मदद नही हो पा रही है अगर एक सप्ताह के अंदर अस्पताल मे डॉक्टरो की पूर्ति नही की गई तो अस्पताल मे तालाबंदी ही मात्र ही एक विकल्प होगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

जन न्याय पदयात्रा पहुंची अभनपुर, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर

छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार की कथित असफलताओं और बिंद्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर दिनांक 10 से 16 जुलाई तक युवा कांग्रेस और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के तत्वाधान में मैनपुर से राजधानी रायपुर स्थित राजभवन तक 147 किलोमीटर की जन न्याय पदयात्रा निकाली जा रही है इसी कड़ी में जन न्याय पदयात्रा के पांचवें दिन नगर पालिका अभनपुर के पावन धरा में पहुंचने पर आमजनों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश एवं उत्साहपूर्वक पदयात्रा का फूलमालाओं और आतिशबाजी के साथ स्वागत किया। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विद्या भूषण सोनवानी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे, पार्षद नीलकमल गिलहरे, पार्षद बीरेंद्र सिन्हा, पार्षद रानू राठी, पार्षद बीरबल टंडन, पार्षद डोमेंद्र साहू , प्रमोद मिश्रा, एनएसयूआई अध्यक्ष जयवर्धन बघेल, पार्थ वैष्णव, हिम्मत सिंह, भरत देवांगन, राकेश बघेल, सुमित तंबोली , मनीसेन गहिरवारे, सोनजीत ध्रुव, चित्रांश ध्रुव, गौरव मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक पोस्टमेन के भरोसे चल रहा आरंग का डाकघर

आरंग। लंबे समय से आरंग विधानसभा उपेक्षा का शिकार होते आ रहा है। जिले का सबसे बड़ा विकासखंड होने के बाद भी आज तक यहां एक डाकघर का भवन भी नहीं बन पाया।यहां का डाकघर प्रारंभ से ही किराए के मकान में संचालित हो रहा है। वहीं इस डाकघर में एक ही पोस्टमेन पदस्थ होने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। जिससे नागरिको को डाक विलंब से प्राप्त हो रहा है। करीब बीस हजार की आबादी वाले नगर पालिका परिषद आरंग में डाक वितरण की व्यवस्था भी एक ही कर्मचारी ऊपर भगवान भरोसे होने से, डाक वितरण कार्य में अव्यवस्था उत्पन्न हो गया है। लोगों को चिट्ठी पत्री उसी दिन प्राप्त न होकर, दूसरे या तीसरे दिन प्राप्त हो रहा है।आलम यह है कि लोगों को डाक आने की सूचना मिलने पर डाक कार्यालय पहुंचकर अपना डाक ले जाना पड़ रहा है। 20-30 वर्ष पहले यहां के डाकघर में दो पोस्टमेन के द्वारा डाक वितरण व्यवस्था को संभाला जा रहा था।

धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने सदन में उठाए जनता से जुड़े तीखे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने अपने क्षेत्र की जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को मुखर होकर उठाया। उन्होंने अवैध और मिलावटी शराब की बिक्री, शासकीय भूमि पर कब्जों को लेकर जारी नोटिस, और मोहरेंगा नेचर सफारी में अनियमितताओं जैसे गंभीर विषयों पर सरकार से जवाब मांगा, जिससे सदन में उनकी आवाज़ गूंज उठी। विधायक अनुज शर्मा ने आबकारी मंत्री को सीधे निशाने पर लेते हुए धरसींवा के लालपुर स्थित शराब दुकान में बिना होलोग्राम और मिलावटी शराब की बिक्री से जुड़ी शिकायत पर हुई कार्रवाई के बारे में तीखे सवाल किए।

मंत्री ने स्वीकार किया कि 13 जून, 2025 को एक राज्य-स्तरीय उड़नदस्ते ने दुकान में अनियमितताएं पाई थीं, जिसके बाद प्लेसमेंट एजेंसी के कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निलंबित किया गया। यह दर्शाता है कि विधायक के सवालों का तुरंत प्रभाव पड़ा और सरकार को जवाबदेह होना पड़ा।

नवा रायपुर के नकटी गांव में शासकीय भूमि पर उठे सवाल पर मंत्री से मांगे जवाब : विधायक अनुज शर्मा ने राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा से धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नकटी (सम्मानपुर) में शासकीय भूमि पर कब्जाधारियों को जारी नोटिस के संबंध में प्रश्न किया। मंत्री ने विधानसभा में बताया कि हाल ही में शासकीय भूमि को खाली कराने के लिए नोटिस जारी किया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा षष्ठम् विधानसभा के जनप्रतिनिधियों के आवासीय योजना हेतु ग्राम नकटी में कुछ खसरा नंबरों पर कुल 29.172 हेक्टेयर भूमि की मांग की गई है। मंत्री ने आगे बताया कि शासकीय भूमि के संबंध में शिकायतकर्ता रजनीश कुमार चंद्राकर निवासी भिलाई द्वारा जुलाई 2023 में शिकायत की गई थी। इस शिकायत के आधार पर पता चला कि शामिलात चारागाह भूमि पर हितग्राहियों द्वारा कब्जा कर रखा गया था।

मोहरेंगा नेचर सफारी में वन संरक्षण पर सवाल

तीसरे महत्वपूर्ण सवाल में अनुज शर्मा ने मोहरेंगा नेचर सफारी में कार्यरत कर्मचारियों, वृक्षों और वन्यजीवों की प्रजातियों, और अवैध कटाई/परिवहन की शिकायतों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया. मंत्री ने बताया कि सफारी में नियमित 1 वनपाल, 1 वनरक्षक और 10 दैनिक श्रमिक कार्यरत हैं, लेकिन वृक्षों और वन्यप्राणियों की गणना नहीं की गई है. उन्होंने अवैध कटाई या परिवहन की कोई शिकायत न मिलने की बात कही, जिस पर आगे भी निगरानी की आवश्यकता है। सदन में जनहित के इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के बाद, विधायक अनुज शर्मा ने दोहराया कि वह भविष्य में भी क्षेत्र की जनता के मुद्दों को विधानसभा में उठाते रहेंगे।

फसल चक्र परिवर्तन पर किसानों की ली राय और किया समाधान

समीक्षा बैठक में गौठान पुनः शुरू करने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

जय जवान जय किसान के संयोजक ध्रुवकुमार चन्द्राकर, ज्ञानेंद्र साहू व ग्रामवासियो की सहयोग से ग्राम नारा के गौठान में रविवार को 25 ग्रामों के किसानों की एक महत्त्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जो सफलता पूर्वक सम्पन्न हुया। बैठक का मुख्य उद्देश्य गांवों में हो रहे फसल नुकसान, मवेशियों की समस्या और आगामी फसल चक्र को लेकर किसानों की राय एवं समाधान प्रस्तुत करना था। बैठक में उपस्थित किसानों ने सर्वसम्मति से यह मांग की कि ग्राम नारा सहित अन्य गांवों के गौठानों को पुनः सक्रिय किया जाए ताकि खेतों में विचरण कर रहे जानवरों को नियंत्रित किया जा सके। किसानों ने बताया कि वर्तमान में रोपा हुआ धान पौध अवस्था में है, जिसे छुट्टा जानवर नष्ट कर रहे हैं। अगर समय रहते रोका-छेका की उचित व्यवस्था नहीं की गई तो न केवल धान की उपज प्रभावित होगी, बल्कि आगामी उन्हारी फसलों जैसे तिलहन और दलहन की बुआई भी संकट में आ जाएगी। किसानों ने प्रशासन से अपील की कि प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर गौठानों को पुनः क्रियाशील कर चारा-पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही रोका-छेका अभियान को प्रभावी बनाने के लिए ग्राम स्तरीय समितियों का गठन कर सख्ती से पालन कराया जाए। जिला पंचायत सदस्य वतन चन्द्राकर ने कहा, हम मेहनत से धान की बोआई व रोपाई कर रहे हैं, लेकिन यदि मवेशियों का नियंत्रण नहीं हुआ तो हमारी सारी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। इसके अलावा वर्तमान में तिलहन सहित उन्हारी फसलो में तिवड़ा, चना, मसूर बटरी उड़द जैसी फसलों की बुआई की कोई संभावना नहीं रहेगी। समीक्षा बैठक में उपस्थित किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र शर्मा, सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष गोपाल धीवर, जनपद सदस्य अमर मांडले, मीणा जांगड़े सरपंच नारा, कुंज बिहारी वर्मा सरपंच पिपरहट्टा, ज्योति निषाद सरपंच डीघारी सहित अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने किसानों की मांगों को जायज बताते हुए किसानों की मांग का समर्थन किया। बैठक में उपस्थित सरपंचों ने कहा कि गौठानों के पुनरुद्धार और रोका-छेका अभियान के लिए जल्द ही पंचायत स्तर पर प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाएगा। बैठक के अंत में यह तय किया गया कि यदि समय रहते गौठानों को पुनः प्रारंभ नहीं किया गया तो किसानों को आंदोलन का रास्ता अपनाने पर मजबूर होना पड़ेगा। गांवों की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए खेतों की सुरक्षा और मवेशियों का नियमन आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। बैठक में ग्राम पंचायत लखौली, रीवा, कुकरा, संडी, नारा, भानसोज, पिपरहट्टा, सिवनी, गोढ़ी, खमरिया, टेकारी, अमेंरी, खुटेरी, करही, मालिडीह, बरछा, फरफौद, छतौना, सकरी, तोड़गाव, बड़गाँव, जरौद, कलाई के सरपंच सहित बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

पेज 9 के शेष

डॉयल-112 की गाड़ियों...

सेवा में संचालित की जा रही है। प्रदेश के 11 जिलों में वर्ष 2018 में डॉयल-112 सेवा शुरू की गई थी। इसके लिए टाटा ग्रुप से पांच साल के लिए एमओयू किया था। एमओयू होने के पूर्व वर्ष 2017 में 252 गाड़ियां खरीदी गई थीं। डॉयल-112 में आपातकालीन स्थिति में पुलिस, स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। सेवा शुरू होने के पूर्व जो गाड़ियां खरीदी गई थीं, उन गाड़ियों को अब तक नहीं बदला गया है। इस वजह से गाड़ियों की स्थिति कंडम हो चुकी है। मजबूरी में पुरानी गाड़ियों को रिपेयर कर चलाया जा रहा है। इस वजह से कई बार इमरजेंसी सेवा देने के लिए निकली डॉयल-112 की गाड़ी रास्ते में खराब हो जाती है।

दो लाख किमी. के बाद मेंटेनेंस दोगुना

सरकारी गाड़ियों के रखरखाव के लिए गाड़ियों की अधिकतम लाइफ 15 वर्ष मानी जाती है या फिर पौने दो लाख किलोमीटर से दो लाख किलोमीटर रनिंग मानी जाती है। किसी भी वाहन के दो लाख किलोमीटर से ज्यादा चलने के बाद मेंटेनेंस खर्च दोगुना हो जाता है। सरकारी वाहनों पर निजी वाहनों की तरह सही तरीके से मेंटेनेंस करने ध्यान नहीं दिया जाता, इसलिए सरकारी गाड़ियों को दो लाख किलोमीटर के बाद कंडम मान लिया जाता है।

पुलिस विभाग में नौकरी...

ब्लैकमेलिंग से परेशान युवती ने उसके खिलाफ 13 जुलाई को थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने चंद्रमा को उसके घर पर दबिश देकर गिरफ्तार किया।

चार साल बाद रेलवे...

में 5 हजार से अधिक मासिक सीजन टिकट, एमएसटी धारक हैं, जो नियमित रूप से लोकल ट्रेनों का उपयोग करते हैं। इन ट्रेनों के बहाल होने से उनकी यात्रा और अधिक सुगम हो जाएगी। छात्रों, कर्मचारियों और ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ इन लोकल ट्रेनों के पुनः संचालन से विशेष रूप से दैनिक यात्रा करने वाले छात्रों, कर्मचारियों और ग्रामीणों को बड़ा फायदा होगा। ट्रेनों के बंद रहने से यह वर्ग लंबे समय से असुविधा झेल रहा था। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अब कोरोना के प्रभाव कम होने के बाद हालात सामान्य हो गए हैं, और लोकल सेवाएं चरणबद्ध तरीके से बहाल की जा रही हैं। इससे न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि रेलवे स्टाफ को भी पुनः कार्य के अवसर प्राप्त होंगे। सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल भी इन ट्रेनों को फिर से शुरू कराने के लिए लगातार प्रयासरत रहे हैं।

15 और 16 जुलाई से...

- 07890 कटंगी–गोंदिया : 15 जुलाई कटंगी से सुबह 7 बजे निकलेगी, सुबह 8 बजे गोंदिया पहुंचेगी।
- 07891 डोंगरगढ़–कटंगी : 16 जुलाई डोंगरगढ़ से सुबह 10 बजे निकलेगी, दोपहर 1.30 बजे कटंगी पहुंचेगी।
- 07892 कटंगी–डोंगरगढ़ : 16 जुलाई कटंगी से दोपहर 3 बजे निकलेगी, शाम 6.30 बजे डोंगरगढ़ पहुंचेगी।
- 07867 गोंदिया–इतवारी : 15 जुलाई गोंदिया से शाम 4 बजे निकलेगी, शाम 6.50 बजे इतवारी पहुंचेगी।

नगर निगम में फिर...

का कार्य दायित्व दिया गया है। मुख्यालय उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा को चार जोन के उपायुक्त नगर निवेश विभाग के कार्य दायित्व से मुक्त कर दिया गया है। प्रभारी उपायुक्त मोनेश्वर शर्मा को पूर्व में सौंपे गए कार्य के साथ उपायुक्त विधि का कार्य दायित्व दिया गया है। श्री शर्मा को द्वितीय तल में स्थित कक्ष क्रमांक 306 को आवंटित किया गया है।

बीज बोने के बाद 4 नमूने फेल, 25 की रिपोर्ट लंबित, फसल को लेकर किसानों की बढ़ी चिंता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खरीफ सीजन में बोए गए बीजों के लिए गए सैंपल की जांच रिपोर्ट ने रायपुर जिले के कई किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जांच में 196 में 167 मानक एवं 4 नमूनों के बीज अमानक पाए गए हैं, वहीं 25 नमूनों की रिपोर्ट अभी लंबित है। बचे हुए नमूनों की रिपोर्ट आने पर ही पता चल पाएगा कि इनमें कितने मानक और अमानक हैं। जांच में जिन नमूनों के बीच अमानक पाए गए हैं, उस लॉट के बीज कई किसान अपने खेतों में बो चुके हैं। ऐसे में इन बीजों के अमानक मिलने से किसानों को चिंता सताने लगी है कि उनकी फसल कैसी होगी।

हर साल देर से आती है सैंपल की रिपोर्ट, बोआई के बाद असमंजस में किसान

कीटनाशक के 25 सैंपल में 1 अमानक 14 की जांच रिपोर्ट नहीं आई

विभाग ने कीटनाशक के 25 नमूने लिए हैं। इनमें से केवल 10 नमूने मानक स्तर के मिले हैं, वहीं एक अमानक पाया गया। शेष 14 नमूनों की जांच रिपोर्ट नहीं आई है। इसी प्रकार रासायनिक उर्वरकों के 102 नमूने लिए गए हैं। इनमें 50 नमूने अमानक पाए गए हैं, वहीं जैव उर्वरकों के 20 नमूने लिए गए, जिनमें से 3 मानक स्तर के पाए गए, बाकी 17 नमूनों की रिपोर्ट अभी बाकी है।

लक्ष्य के विरुद्ध लिए गए नमूनों की जांच रिपोर्ट

	लक्ष्य	लिए गए	मानक	अमानक	लंबित
बीज	220	196	167	4	25
कीटनाशक	137	25	10	1	14
रासायनिक खाद	224	102	50	0	52
जैविक खाद	48	20	3	0	17

हर बार इस्तेमाल देर से आती है जांच रिपोर्ट

खरीफ हो या फिर रबी का सीजन, हर बार बीज नमूनों की जांच रिपोर्ट इनके इस्तेमाल के बाद ही आती है। किसान विभिन्न लॉट के बीज की खरीदी कर यह सोचकर उसकी बोआई करते हैं कि बीज की क्वालिटी अच्छी है और फसल भी अच्छी होगी, लेकिन जब इन बीजों की जांच रिपोर्ट आती है तो किसानों की न केवल चिंता बढ़ जाती है, बल्कि अमानक बीज की बोआई के कारण कई किसानों की फसलों पर भी प्रभाव पड़ता है। अच्छी फसल नहीं होने से किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है। यहां तक की इस नुकसान की भरपाई भी नहीं की जाती है, या यूं कहें कि नमूने लेने से लेकर जांच तक होने वाली देर के कारण किसानों को नुकसान सहन करना पड़ता है।

बीज, उर्वरक, कीटनाशक और जैव उर्वरकों की गुणवत्ता जांच में तेजी : जिले में कृषि विभाग ने बीज, उर्वरक, कीटनाशक और जैव उर्वरकों की गुणवत्ता की जांच तेज कर दी है। हालांकि विभाग की जांच रिपोर्ट ने किसानों की चिंता भी बढ़ा दी है। किसानों ने जो बीज बो दिए हैं, उनमें से चार बीज जांच में फेल हो गए हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, जांच में फेल हुए ऐसे बीज लॉट की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन यह प्रतिबंध तब लगाया गया है, जब खरीफ सीजन में किसान इस बीजों की बोआई कर चुके हैं। इस मामले में अधिकारियों का यह भी तर्क है कि लैब से जांच रिपोर्ट देर से आती है। रिपोर्ट आने के बाद ही अमानक बीज की बिक्री पर रोक लगाई जा सकती है।

खबर संक्षेप

नए विस परिसर में स्पीकर मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायकों ने लगाए पौधे

रायपुर। सोमवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत नवीन विधानसभा परिसर नवा रायपुर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नवीन विधानसभा परिसर में पौधारोपण अभियान की शुरुआत में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने गुलमोहर का पौधा लगाया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा, छत्तीसगढ़ की विधानसभा पूरे देशभर में अपने विशिष्ट कार्यकलापों के लिए जानी जाती है। छत्तीसगढ़ सरकार की 'एक पेड़ मां के नाम' योजना के तहत पूरे प्रदेशभर में पौधारोपण का महाभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विधानसभा परिसर के समीप क्षेत्र को भी हरा-भरा रखने के उद्देश्य से विधायकों द्वारा यहां पौधे लगाये गए हैं। उन्होंने कहा, वन है तो जल है और जल है तो जीवन है।

मेडिकल कांप्लेक्स में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट कैंप

रायपुर। रायपुर जिला दवा विक्रेता संघ और परिवहन विभाग एवं छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को मेडिकल कांप्लेक्स परिसर में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट कैंप का आयोजन किया गया। इसमें 240 वाहन चालकों ने अपना आवेदन परिवहन विभाग के अधिकारियों के सहयोग से पूर्ण किया एवं वाहन के संदर्भ में अन्य पूछताछ भी की। शिविर में दवा विक्रेताओं, उनके संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों एवं विभिन्न दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने लाभ उठाया। शिविर का संचलान संयोजक लोकेश चंद्र जैन, अश्विनी विग के साथ रायपुर जिला दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष विनय कृपलानी, सचिव संजय रावत, कोषाध्यक्ष नितेश कुमार जैन, संरक्षक ठा. राजेश्वर सिंह, वासुदेव जोतवानी, राजेश पटेल, वैभव श्रीवास्तव, वरुण चिमनानी की मौजूदगी में हुआ।

निधन

मुकुंद भाई राठोर

रायपुर। विवेकानंद नगर पेंशनबाड़ा निवासी मुकुंद भाई राठोर (82) का 14 जुलाई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 15 जुलाई को सुबह 10 बजे निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे अमित, कपिल राठोर के पिता और गिरीश भाई राठोर के बड़े भाई थे।

मांगीलाल जैन

रायपुर। शांति रेसीडेंसी आम्रपाली व दुबई निवासी मांगीलाल जैन (78) का 13 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 14 जुलाई को मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे निलेश गोलछा (दुबई), नीलू चौरड़िया, स्व. पलक सांखला के पिता थे।

रावांभाठा में युवाओं को सुविधा देने तय की जाएगी नई निर्माण एजेंसी

खेल मैदान निर्माण की बंद फाइल खोलेगा बिरगांव निगम, अब नए सिरे से बनेगा प्लान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

युवाओं को आउटडोर खेल मैदान की सुविधा बिरगांव नगर निगम अभी तक नहीं दे पाया है। इसके लिए पांच साल पहले शुरू की गई पहल अभी तक फाइलों में सिमटी हुई थी। निर्माण एजेंसी से विवाद के चलते दो साल प्रोजेक्ट की फाइल बंद रही। अब निगम ने एक बार फिर खेल मैदान निर्माण के लिए नए सिरे से प्लानिंग करते हुए नई एजेंसी तय करने का मन बनाया है। बरसात के बाद दोबारा काम शुरू करने की तैयारी है।

बिरगांव निगम ने रावांभाठा वार्ड में एक एकड़ से ज्यादा एरिया में खेल मैदान बनाने के लिए जिस एजेंसी को काम दिया, उसने प्रोजेक्ट को दोबारा समय देने के बाद भी 2023 में पूरा नहीं किया। इसे देखते हुए आयुक्त ने पार्षदों की आपत्ति पर एजेंसी को 2024 में ब्लैक लिस्टेड किया। इसके बाद विवाद की स्थिति को सुलझाने में विलंब होने से प्रोजेक्ट की फाइल दो साल बंद रही। इससे निगम क्षेत्र के युवाओं को खेल मैदान की सुविधा अभी तक नहीं मिल पाई। मामले को लेकर निगम सूत्रों ने बताया कि पुरानी एजेंसी को ब्लैक लिस्टेड किए जाने से पेंच फंस गया। इसे सुलझाने में समय लगने से नई एजेंसी भी तय नहीं की गई। इससे पुरानी एजेंसी द्वारा बाउंड्री के लिए कॉलम तैयार करने में लगाया गया सरिया भी चोरी हो गया। वहीं खेल मैदान में अभी निर्माण का नामो-निशान नहीं बचा है।

फाइल फोटो

खेल मैदान में मिलेंगी ये सुविधाएं

युवाओं को आउटडोर गेम्स के लिए मैदान की सुविधा देने पूर्व में की गई मांग पर 2019 में मंजूरी मिली। इसके बाद काम शुरू होते ही कोविड के चलते काम बंद हुआ। इसके बाद एजेंसी को काम पूरा करने के लिए 2023 तक का समय दिया गया। इसके बाद भी काम पूरा नहीं होने से ब्लैक लिस्टेड किया गया। अब नई एजेंसी को बाउंड्री बनाने के साथ ही दर्शकों को बैठने की सुविधा देने के लिए गैलरी बनाने की जिम्मेदारी दी जाएगी। खिलाड़ियों के लिए चेंजिंग रूम और रोशनी की सुविधा का प्रावधान है। नई एजेंसी को पुराने प्रावधानों के तहत काम देने की तैयारी निगम ने शुरू की है, लेकिन इस सुविधा के लिए इंतजार करना होगा।

नए सिरे से काम शुरू करेंगे

जिस खेल मैदान की बात कर रहे हैं, उसके लिए अब नए सिरे से काम शुरू करने की तैयारी है। जिस एजेंसी ने पहले काम किया है, उसका मौके पर नामो-निशान नहीं है। पुरानी एजेंसी को एक नोटिस देने के बाद प्रक्रिया करेंगे।

- युगल किशोर उर्वशा
आयुक्त, नवि बिरगांव

पुरानी एजेंसी को भेजेंगे नोटिस

रावांभाठा वार्ड में 30 हजार की आबादी निवास करती है। इनके बीच सुविधाओं का अभाव अरसे से बना हुआ है। इसे देखते हुए 5 वार्ड के युवाओं को सुविधा देने के लिए निगम प्रशासन ने 1.10 करोड़ के प्रोजेक्ट को शुरू किया। एजेंसी से विवाद की स्थिति बनने से युवाओं को मिलने वाली सुविधा अभी तक नहीं मिल पाई। अब नई एजेंसी तय करने के लिए निविदा मंगाने से पहले जिम्मेदार विवाद को देखते हुए मामले से जुड़ी पुरानी एजेंसी को फिर से एक नोटिस देने के बाद नई एजेंसी को काम देने की प्रक्रिया शुरू करेगी।इस काम को चार महीने के बीच अंतिम रूप देने की तैयारी अब निगम के जिम्मेदारों ने शुरू की है।

एनएचएआई की बड़ी लापरवाही सड़क से 200 मीटर दूर जमीन अधिग्रहण का जारी कर दिया अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले में एनएचएआई के अफसरों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। राष्ट्रीय राजमार्ग 30/200 के चौड़ीकरण के लिए ग्राम सांकरा क्षेत्र में सड़क से लगी कई ग्रामीणों की जमीन अधिग्रहित की गई थी। अधिग्रहण के बाद यहां राष्ट्रीय राजमार्ग को चौड़ा भी किया गया, लेकिन जो जमीनें अधिग्रहित की गईं, उनमें एक ऐसी भी जमीन है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण के बाद भी मुख्य सड़क से लगभग दो सौ मीटर दूर है। खसरा नंबर 304 जमीन का रकबा लगभग 7 हजार वर्गफीट है, लेकिन एनएचएआई ने इसमें भी गड़बड़ी कर मात्र 640 वर्गफीट का ही अवार्ड जारी कर दिया है। इस तरह एनएचएआई के अफसरों की इस गड़बड़ी के कारण जमीन की मालिक बुजुर्ग महिला सालों से परेशान हैं। वे अपनी जमीन को एनएचएआई से मुक्त कराने एसडीएम, कलेक्टर, राजस्व मंत्री, मुख्यमंत्री तक के नाम ज्ञापन सौंप चुकी हैं, लेकिन इसके बाद भी अब तक उन्हें न्याय नहीं मिल पाया है।

एसडीएम की जांच में भी साबित हो चुका, भूमि अधिग्रहण नहीं की गई

यह जमीन दलदल सिवनी मोवा निवासी ज्योति आहूजा के नाम पर दर्ज है। बताया जा रहा है कि जमीन अधिग्रहण नहीं होने के बाद उन्हें 640 वर्गफीट जमीन का अवार्ड जारी किया गया था, लेकिन उनकी जमीन राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण में शामिल ही नहीं की गई। इस कारण ज्योति आहूजा ने अवार्ड की राशि लेने से इंकार करते हुए एसडीएम रायपुर से इसकी शिकायत कर अपनी जमीन को एनएचएआई से मुक्त कराने की मांग की थी। इस शिकायत के आधार पर एसडीएम ने वर्ष 2017 में टीम बनाकर इसकी जांच भी कराई। इस जांच में आवेदिका की भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क से लगभग दो सौ मीटर दूर पाई गई है। इस तरह जांच से स्पष्ट है कि आवेदिका की जमीन प्रभावित ही नहीं हुई है।

एनएचएआई को पत्र जारी

जांच में अधिग्रहण नहीं पाया गया है। इस जांच रिपोर्ट के प्रतिवेदन के आधार पर एनएचएआई परियोजना निदेशक को आप्रभावित भूमि का रिकार्ड सुधारने पत्र लिखा गया है। - *नंदकुमार चौबे, एसडीएम रायपुर*

बिजनेस साइट सिटी

'जोश' इवेंट में देशभर के उद्यमियों का जमावड़ा बीएनआई रायपुर का भव्य आयोजन

रायपुर। बीएनआई रायपुर एवं रेस्ट ऑफ छत्तीसगढ़ चैप्टर्स द्वारा बिजनेस नेटवर्किंग इवेंट 'जोश' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीएनआई इंडिया के प्रेसिडेंट हेमु सुवर्णा एवं देशभर से आए वरिष्ठ बीएनआई डायरेक्टर्स और एग्जीक्यूटिव्स ने भाग लिया। नागपुर, विजयवाड़ा, ईरोड, अमृतसर, भुवनेश्वर, कुर्ग जैसे शहरों से आए प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। बीएनआई रायपुर एवं रेस्ट ऑफ छत्तीसगढ़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स राजेश बाईस्या एवं श्वेता बाईस्या ने बीएनआई के आगामी विजन और मिशन को साझा किया। इस अवसर पर बिमल सामल और ऐनी कुमार ने मार्गदर्शन देते हुए व्यापारिक सफलता के सूत्र बताए।

इस अवसर पर बीएनआई इंडिया के प्रेसिडेंट हेमु सुवर्णा ने व्यवसाय निर्माण, नेटवर्किंग की रणनीतियों और कॉर्पोरेट कनेक्शन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने बड़े उद्योगपतियों के साथ पैनल चर्चा की जानकारी साझा की, जिससे स्थानीय व्यावसायियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिला।

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर कल से

रायपुर। भाठागांव स्थित उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में मधुमेह रोगियों के लिए निशुल्क डायबिटिक फुट जांच शिविर का आयोजन 18 जुलाई को किया जा रहा है। यह शिविर सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होगा। शिविर में आधुनिक तकनीक से डायबिटिक फुट की जांच अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा की जाएगी। डायबिटिक फुट की समस्या मधुमेह से ग्रसित लोगों में गंभीर रूप धारण कर सकती है, जिससे पैरों में अल्सर, सूजन, संक्रमण व गैंगरीन जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। समय पर जांच और इलाज न होने पर पैर काटने की नौबत तक आ सकती है। उक्त शिविर के अलावा हॉस्पिटल द्वारा जुलाई माह में कई अन्य स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। 16 जुलाई को महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रीनिंग एवं परामर्श, 24 जुलाई को लिवर रोग हेतु फाइब्रोस्कैन, 25 जुलाई को पेट रोग के लिए एंडोस्कोपी और 29 जुलाई को महिलाओं के लिए निशुल्क हेल्थ चेकअप का आयोजन किया गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने रायपुर में नए अंचल कार्यालय का किया उद्घाटन

रायपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा ने सोमवार को अपने नए अंचल कार्यालय परिसर का उद्घाटन किया, जो छत्तीसगढ़ राज्य में बैंक की उपस्थिति को और सुदृढ़ बनाएगा। नया रायपुर अंचल, राज्य के चार क्षेत्रीय कार्यालयों बिलासपुर, दुर्ग, धमतरी और रायपुर के तहत कुल 212 शाखाओं का संचालन करेगा, जिनमें से लगभग 66% शाखाएं ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एम. नागराजू, आईएएस, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय उपस्थित रहे। उनके साथ आशीष मधोराव मोरे, आईएएस तथा बैंक ऑफ बड़ौदा के एमडी और सीईओ देबदत्त चांद भी मौजूद थे।

कोलंबिया ग्लोबल स्कूल में भव्य अलंकरण समारोह संपन्न

रायपुर। कोलंबिया ग्लोबल स्कूल में छठवां अलंकरण समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसके बाद नवनिर्वाचित छात्र परिषद ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह चावला ने छात्रों को नेतृत्व के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में इंटरैक्ट व रोटरैक्ट क्लब का भी उद्घाटन किया गया। हेड बॉय अभिन्न देवांगन और हेड गर्ल जान्हवी बघेल सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारियों ने अपने-अपने दायित्व संभाले। चारों सदनों के प्रतिनिधियों ने भी शपथ ली। रोटरी क्लब के सहयोग से गठित इंटरैक्ट क्लब के अध्यक्ष समीर चौधरी और सचिव खुशी रानी शेवकानी ने भी जिम्मेदारी संभाली। समारोह में रोटरी क्लब के पदाधिकारियों सहित स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक रविंदर सिंह हूरा ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों में नेतृत्व और जिम्मेदारी का भाव जगाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि छात्र आज के नहीं, बल्कि कल के राष्ट्र निर्माता हैं।

आनंद समाज वाचनालय के बाजू से स्टेडियम होते हुए बूढ़ापारा पहुंचना आसान, नया बायपास मार्ग शुरू

रायपुर। राजधानी के ब्राह्मणपारा स्थित आनंद समाज वाचनालय के बाजू से सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम होकर बूढ़ापारा पहुंचना अब आसान होगा। नगर निगम ने श्याम टाकीज की तरफ बायपास मार्ग खोल दिया है। इससे एक ओर जहां ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं कंकालीपारा, ब्राह्मणपारा सहित आसपास के रहवासी कम समय में बायपास मार्ग से सीधे बूढ़ापारा मुख्य मार्ग तक पहुंच पाएंगे। दरअसल शहर के स्वामी विवेकानंद सरोवर के सामने गणेश मंदिर चौक से लेकर बूढ़ेश्वर मंदिर चौक तक आए दिन ट्रैफिक जाम की समस्या से शहरवासी जूझते रहे हैं। आम जनता की परेशानी को देखते हुए कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, निगम आयुक्त विश्वदीप और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने ट्रैफिक का दबाव कम करने यह कदम उठाया। नया बायपास मार्ग को एकांगी मार्ग घोषित कर दिया गया है, इस मार्ग का उपयोग शहरवासी सुबह 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक कर सकते हैं।

- सुबह 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक कर सकेंगे उपयोग

तीन सूने मकानों में चोरी, हत्या के आरोपी समेत तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कबीर नगर थाना क्षेत्र में सिलसिलेवार तीन सूने मकानों में धावा बोलकर चोरी करने के आरोप में पुलिस ने हत्या के आरोपी सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है, इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। हत्यारोपी बदमाश बेमेतरा में रेप मामले का फरार आरोपी है, जिसकी जानकारी बेमेतरा पुलिस को दी गई है।

चोरी के आरोप में पुलिस ने गुढ़ियारी निवासी लल्ला उर्फ आकाश बंदे उर्फ अनमोल, सोहेल वर्मा तथा एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। लल्ला गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में हत्या के आरोप में जेल जा चुका है। जेल से छूटने के बाद उसने बेमेतरा साजा में एक नाबालिग से रेप किया था। किशोरी से रेप के मामले में वह फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार, तीनों बदमाश ने कबीर नगर सेक्टर-3 के अलग-अलग तीन सूने मकानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने साढ़े सात लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर तथा एक बाइक जब्त की है। अभिषेक शुक्ला के घर विगत 10 जुलाई को हुई चोरी को लेकर पुलिस ने जब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की तो उसमें लल्ला का फूटेज मिला। लल्ला को हिरासत में लेकर पुलिस ने पूछताछ की तो उसने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी करने का अपराध कबूल किया।

- गिरफ्तार आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल

पेज 09 के शेष ...

डॉयल-112 की गाड़ियों...

सेवा में संचालित की जा रही है। प्रदेश के 11 जिलों में वर्ष 2018 में डॉयल-112 सेवा शुरू की गई थी। इसके लिए टाटा ग्रुप से पांच साल के लिए एमओयू किया था। एमओयू होने के पूर्व वर्ष 2017 में 252 गाड़ियां खरीदी गई थीं। डॉयल-112 में आपातकालीन स्थिति में पुलिस, स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। सेवा शुरू होने के पूर्व जो गाड़ियां खरीदी गई थीं, उन गाड़ियों को अब तक नहीं बदला गया है। इस वजह से गाड़ियों की स्थिति कंडम हो चुकी है। मजबूरी में पुरानी गाड़ियों को रिपेयर कर चलाया जा रहा है। इस वजह से कई बार इमरजेंसी सेवा देने के लिए निकली डॉयल-112 की गाड़ी रास्ते में खराब हो जाती है। ***दो लाख किमी. के बाद मेंटेनेंस दोगुना :*** सरकारी गाड़ियों के रखरखाव के लिए गाड़ियों की अधिकतम लाइफ 15 वर्ष मानी जाती है या फिर पौने दो लाख किलोमीटर से दो लाख किलोमीटर रनिंग मानी जाती है। किसी भी वाहन के दो लाख किलोमीटर से ज्यादा चलने के बाद मेंटेनेंस खर्च दोगुना हो जाता है। सरकारी वाहनों पर निजी वाहनों की तरह सही तरीके से मेंटेनेंस करने ध्यान नहीं दिया जाता, इसलिए सरकारी गाड़ियों को दो लाख किलोमीटर के बाद कंडम मान लिया जाता है।

पुलिस विभाग में नौकरी...

ब्लैकमेलिंग से परेशान युवती ने उसके खिलाफ 13 जुलाई को थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने चंद्रमा को उसके घर पर दबिश देकर गिरफ्तार किया।

चार साल बाद रेलवे...

में 5 हजार से अधिक मासिक सीजन टिकट, एमएसटी धारक हैं, जो नियमित रूप से लोकल ट्रेनों का उपयोग करते हैं। इन ट्रेनों के बहाल होने से उनकी यात्रा और अधिक सुगम हो जाएगी। ***छात्रों, कर्मचारियों और ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ:*** इन लोकल ट्रेनों के पुनः संचालन से विशेष रूप से दैनिक यात्रा करने वाले छात्रों, कर्मचारियों और ग्रामीणों को बड़ा फायदा होगा। ट्रेनों के बंद रहने से यह वर्ग लंबे समय से असुविधा झेल रहा था। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अब कोरोना के प्रभाव कम होने के बाद हालात सामान्य हो गए हैं, और लोकल सेवाएं चरणबद्ध तरीके से बहाल की जा रही हैं। इससे न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि रेलवे स्टाफ को भी पुनः कार्य के अवसर प्राप्त होंगे। सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल भी इन ट्रेनों को फिर से शुरू कराने के लिए लगातार प्रयासरत रहे हैं।

15 और 16 जुलाई से...

- 07890 कटंगी–गोंदिया : 15 जुलाई कटंगी से सुबह 7 बजे निकलेगी, सुबह 8 बजे गोंदिया पहुंचेगी। ■ 07891 डोंगरगढ़–कटंगी : 16 जुलाई डोंगरगढ़ से सुबह 10 बजे निकलेगी, दोपहर 1.30 बजे कटंगी पहुंचेगी। ■ 07892 कटंगी–डोंगरगढ़ : 16 जुलाई कटंगी से दोपहर 3 बजे निकलेगी, शाम 6.30 बजे डोंगरगढ़ पहुंचेगी। ■ 07867 गोंदिया–इतवारी : 15 जुलाई गोंदिया से शाम 4 बजे निकलेगी, शाम 6.50 बजे इतवारी पहुंचेगी।

नगर निगम में फिर...

का कार्य दायित्व दिया गया है। मुख्यालय उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा को चार जोन के उपायुक्त नगर निवेश विभाग के कार्य दायित्व से मुक्त कर दिया गया है। प्रभारी उपायुक्त मोनेश्वर शर्मा को पूर्व में सौंपे गए कार्य के साथ उपायुक्त विधि का कार्य दायित्व दिया गया है। श्री शर्मा को द्वितीय तल में स्थित कक्ष क्रमांक 306 को आवंटित किया गया है।

तीसरे चरण में कटऑफ पहुंचा 48%, दुर्गा-महंत में बीए की 50 प्रतिशत सीटें खाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में तीसरे और अंतिम चरण की मेरिट लिस्ट सोमवार को जारी कर दी गई है। पहले चरण की मेरिट लिस्ट 25 जून को जारी की गई थी।

खास खबर

इस दौरान महाविद्यालयों में कटऑफ 80% से ऊपर पहुंच गया था। अधिक मांग वाले कई पाठ्यक्रमों में यह कटऑफ 90% पार कर गया था। तीसरे चरण की सूची जारी होने तक स्थिति बदल गई है। अब द्वितीय श्रेणी वाले विद्यार्थियों को भी आसानी से दाखिला मिल सकेगा। राजधानी के शीर्ष महाविद्यालयों में भी सीटें रिक्त रह गई हैं।

सोमवार को रविवि ने कॉलेजों को सूची सौंपी। इसके आधार पर महाविद्यालयों द्वारा मंगलवार को मेरिट लिस्ट जारी की जानी थी, लेकिन एक दिन पहले ही स्क्रूटनी करते हुए मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई। जिन छात्रों के नाम सूची में हैं, उन्हें 25 जुलाई तक प्रवेश लेना होगा। इसके पश्चात शासकीय व निजी दोनों ही संस्थानों में पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर प्रवेश दिए जाएंगे।

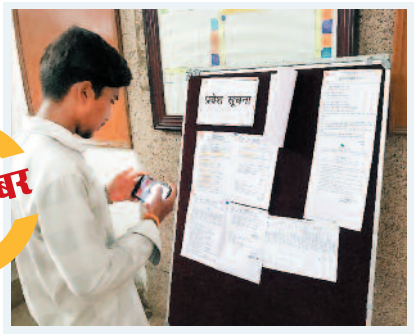

■ सोमवार को जारी की गई महाविद्यालयों में तीसरी व अंतिम चरण की सूची

■ प्रथम चरण में कटऑफ था 80% पार, बीबीए-बीसीए की सीटें लगभग पैक्ड

बीए में रूझान कम

छात्रों का बीए में रूझान कम हुआ है। प्रोफेशनल कोर्स की सीटें पहले चरण में ही 80% भर गई थी। - **डॉ.देवाशीष मुखर्जी,** प्राचार्य, महंत कॉलेज

नियमित अध्यापन जरूरी

व्यक्तित्व विकास के लिए नियमित अध्यापन जरूरी है। छात्रों को इसकी अहमियत समझाने की जरूरत है। सीटें रिक्त हैं, द्वितीय श्रेणी वाले विद्यार्थी भी प्रवेश ले सकते हैं।
- **डॉ.प्रोतिभा मुखर्जी,** प्राचार्य, दुर्गा महाविद्यालय

बीए की 500 सीटों में से 102 में ही प्रवेश

बीए को लेकर छात्रों में तेजी से रूझान घटा है। इसके स्थान पर बीबीए और बीसीए जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में छात्र अधिक तेजी से प्रवेश ले रहे हैं। नई व्यवस्था के अंतर्गत जिले के ऑटोनॉमस महाविद्यालय साइंस कॉलेज, डिग्री गर्ल्स कॉलेज और छत्तीसगढ़ कॉलेज ने अपनी मेरिट लिस्ट पृथक रूप से जारी की है। महंत कॉलेज में 30 प्रतिशत सीटें रिक्त हैं। यहां तीसरे चरण में बीए का कटऑफ 48 प्रतिशत रहा। यहां बीए की 150 सीटें रिक्त हैं, जो कुल सीट का 50 फीसदी है। इसी तरह बीकॉम का कटऑफ 50 प्रतिशत तक पहुंच गया। इसके उलट बीबीए में अंतिम प्रवेश 65% और बीसीए में अंतिम प्रवेश 70% पर हुए हैं। दुर्गा महाविद्यालय में बीए की 500 में से 102 सीटें ही भर सकी हैं। बीकॉम की 860 सीटों में से आधी रिक्त हैं। यहां बीबीए में कटऑफ 60% और बीसीए में 50% रहा।

खबर संक्षेप

कलश यात्रा का छत्तीसगढ़ नगर के इलाकों में भ्रमण

रायपुर। अखंड दीपक प्राकट्य एवं वंदनीया माता के शताब्दी वर्ष 2026 ज्योति कलश यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को संतोषी नगर गायत्री प्रज्ञापीठ के समस्त परिजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह कलश यात्रा छत्तीसगढ़ नगर, संजय नगर, सुदामा नगर, टिकरापारा, मठपारा, गुरुकुल कालीबाड़ी, पेंशनबाड़ा, धरमनगर आदि क्षेत्रों में भ्रमण किया। इसके बाद छत्तीसगढ़ नगर स्थित सामुदायिक भवन प्रांगण में दीपयज्ञ संपन्न किया गया। इस यात्रा में नागरिक बड़े उत्साव के साथ शामिल हुए। एचएल साहू ने बताया कि कार्यक्रम में सुभाष तिवारी, जानकी निषाद, अनिता साहू, केशर सेन, निर्मला साहू, कृष्णा साहू आदि शामिल थे।

बैज के जन्मदिन पर बच्चों को बांटी स्टेशनरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने अपना जन्मदिन बच्चों के साथ मनाया। कमेटी के प्रदेश सचिव पंकज मिश्रा ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष श्री बैज ने अपने जन्मदिन की पूर्व बेला में निवास पर बच्चों के बीच केक काटा और फिर उन्हें कॉपी, पेन, पेंसिल, स्केल, रबर, शार्पनर वितरित किए। इसके बाद बच्चों को केक, नास्ता, मिठाई, बिस्किट, चॉकलेट भी दिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संजू ठाकुर, संतोष राव, गोपी जाल, हेमंत पटेल, जितेंद्र यादव, नरेश नवानी, वोकेश देवांगन, मो. तहसीन, पंकज ठाकुर, पारस धीवर, विनायक तिवारी, निर्मल बाग आदि उपस्थित थे।

साहित्यकार संजीव ठाकुर का सम्मान

रायपुर। वेंकटेश साहित्य मंच द्वारा सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में रविवार को साहित्यकार संजीव ठाकुर सम्मान पत्र देकर विभूषित किया गया। इसके अलावा कवि श्री ठाकुर को 6 जुलाई को भोपाल निर्दलीय प्रकाशन समूह द्वारा वैश्विक साहित्य सम्मान, सरस्वती प्रज्ञा सम्मान दिया गया। भोपाल तथा रायपुर में तीन साहित्यिक पुरस्कारों से नवाजे गए। कवि लेखक मुकेश गुप्ता की कृति 'क्या करूं उलझनें सुलझती ही नहीं' के विमोचन एवं इसी विषय पर खुली चर्चा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. जेके डागर, वीरेंद्र शर्मा, शोभा शुक्ला, रुपाली चक्रवर्ती, मनोज मसंद एवं अन्य अतिथियों को बतौर अतिथि आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर साहित्यकार राजेश जैन राही, डॉ. महेंद्र कुमार ठाकुर, राजेंद्र ओझा, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, पल्लवी झा, रामेश्वर शर्मा आदि उपस्थित थे।

बिलासपुर की एजेंसी को मिला ठेका, एक साल की समयसीमा तय

पांच एकड़ में सर्व सुविधायुक्त बस डिपो,100 ई-बसों की होगी पार्किंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

10 करोड़ 63 लाख रुपए होंगे खर्च, चार्जिंग स्टेशन और कंट्रोल रूम भी

टाटीबंध से सिलतरा जाने वाले रिंगरोड नंबर-4 स्थित नगर निगम को एलॉट की गई 5 एकड़ जमीन पर ई-बसों के लिए सर्व सुविधायुक्त बस डिपो बनाया जा रहा है। इस डिपो में 100 ई-बसों की पार्किंग सुविधा रहेगी, साथ ही चार्जिंग स्टेशन बनाया जाएगा। 10 करोड़ 63 लाख रुपए की लागत से ई-बस डिपो बनाने बिलासपुर की एजेंसी को ठेका दिया गया है। अनुबंधित एजेंसी को एक साल की समयावधि में निर्माण कार्य पूरा करना होगा। अहमदाबाद की चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड कंपनी रायपुर शहर के लिए ई-बसों की आपूर्ति व संचालन करेगी।

हरिभूमि सरोकार

दरअसल केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री ई-बस योजना के तहत रायपुर शहर को 100 ई-बसें मिलने वाली हैं। आम जनता के लिए सुगम परिवहन की सुविधा को धरातल पर लाने राज्य सरकार के निर्देश पर ई-बस डिपो निर्माण करने रायपुर डिस्ट्रिक पब्लिक अरबन सोसायटी ने ऑनलाइन टेंडर किया, जिसमें सिविल वर्क के लिए बिलासपुर की एजेंसी को इस कार्य का ठेका दिया गया है। अनुबंधित एजेंसी नए रिंगरोड नंबर-4 में 5 एकड़ जमीन पर ई-बस डिपो बना रही है। इसकी ड्राइंग-डिजाइन बनकर तैयार है।

ऑपरेटर को 62 रुपए प्रति किमी. की दर से भुगतान

ई-बस संचालन के लिए केंद्र सरकार ने अहमदाबाद की एजेंसी तय की है, एजेंसी के साथ एग्रीमेंट जल्द होगा। तय एजेंसी रायपुर शहर के लिए 100 ई-बसों की सप्लाई के साथ इसका संचालन भी करेगी। बस संचालन के एवज में ऑपरेटर को 62 रुपए प्रति किलोमीटर की दर से शुल्क का भुगतान किया जाएगा। राज्य शासन संबंधित एजेंसी को भुगतान की गारंटी देगा। यदि किसी कारण से नगर निगम की ओर से आपरेटर को भुगतान में देर हुई तो इसकी भरपाई राज्य शासन करेगी। इसके लिए रिजर्व बैंक आफ इंडिया को शपथ पत्र देना होगा। रायपुर डिस्ट्रिक अरबन पब्लिक सोसायटी को इस कार्य के लिए नोडल एजेंसी बनाया गया है वहीं छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग द्वारा ई-बसों के लिए निर्धारित रूट के हिसाब से टिकट शुल्क तय किया जाएगा। ई-बस के यात्रियों से टिकट शुल्क निगम के वेंडर वसूल करेंगे। अनुबंधित एजेंसी को नगर निगम सिर्फ 62 रुपए प्रति किलोमीटर की दर से शुल्क का भुगतान करेगा। गाड़ी में ड्राइवर की व्यवस्था, गाड़ी मेंटेनेंस केंद्र से तय एजेंसी करेगी।

नए रूट के लिए अलग से होगा सर्वे

प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, रायपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र में सिटी बस के लिए 16 अलग-अलग रूट पहले से तय है। प्रधानमंत्री ई-बस स्कीम में 100 नई ई-बस आने पर नए रूट के लिए अलग से सर्वे कराया जाएगा। इसके साथ ही प्रस्तावित नए रूट का नोटिफाइड कराने प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इको फ्रेंडली सभी ई-बसों में जीपीएस सिस्टम रहेगा, जिससे बसों के लोकेशन और आने-जाने की स्थिति की जानकारी कंट्रोल रूम से मिनटों में मिल सकेगी।

ई-बस डिपो की खासियत पर एक नजर

- 100 बसों के पार्किंग का रहेगा स्पेस
- चार्जिंग स्टेशन बनाया जाएगा
- विश्राम कक्ष, ऑफिस, वर्कशॉप की सुविधा, कैंटीन
- बाउंड्रीवॉल निर्माण, सब स्टेशन और कंट्रोल रूम बनेगा
- गाड़ियों की धुलाई के लिए सुविधा, ब्रेक टेस्टिंग, विल अलाइनमेट
- स्टोर रूम रहेगा, टॉयलेट का निर्माण
- कैंपस में गाड़ियों की आवाजाही के लिए सीमेंट की कंक्रीट रोड बनेगी

आक्रोशित हुए छात्र, नकल प्रकरण के विरोध में फूंका पुतला, भड़की आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- इंजीनियर भर्ती परीक्षा निरस्त कर पुन: आयोजन की मांग

व्यावसायिक परीक्षा मंडल में हाईटेक नकल प्रकरण सामने आने के बाद सोमवार को कई स्थानों पर छात्रों ने विरोध-प्रदर्शन किया। राजधानी रायपुर में एनएसयूआई ने पं.रविशंकर शुक्ल विवि के मुख्य द्वार के समक्ष प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया। पुतला दहन के दौरान आग भड़क गई। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष शांतनु झा इसकी चपेट में आ गए। हालांकि कोई बड़ी घटना नहीं हुई। तुरंत ही पानी डालकर आग पर काबू पा लिया गया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने रविवार को हुई इंजीनियर भर्ती परीक्षा रद्द कर पुनः परीक्षा आयोजित करने की मांग की है।

घंटेभर चले प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने उग्र नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि नकल माफियाओं को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। तैनात पुलिस बल भी पुतले को बुझाने में लगी रही।

मिलीभगत के कारण सरकार चुप

जिला अध्यक्ष शांतनु झा ने कहा, यह घटना इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि भाजपा सरकार की नाक के नीचे नकल माफिया बेधड़क फल-फूल रहे हैं और उन्हें सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। मुख्यमंत्री साय, उनके मंत्री और पूरा प्रशासन युवाओं की मेहनत और ईमानदारी को मटियामेट करने में मौन सहयोगी बने हुए हैं। भाजपा सरकार की चुप्पी और निष्क्रियता इस पूरे प्रकरण में उनकी मिलीभगत को प्रमाणित करती है। प्रदेशाध्यक्ष नीरज पांडे ने कहा, यह केवल नकल नहीं बल्कि युवाओं के सपनों, परिश्रम और भविष्य के साथ किया गया एक क्रूर मजाक है, जिसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। ग्रामीण अध्यक्ष प्रशांत, प्रदेश महासचिव निखिल बघेल, जिला महामंत्री सूरज साहू, उपाध्यक्ष भोजराज, वैभव, तारिक, कृष्णा, अतीक, यश सहित अन्य एनएसयूआई कार्यकर्ता एवं छात्र नेता उपस्थित रहे।

चलती ट्रेन में दर्ज हो रही एफआईआर, एक कॉल पर जीआरपी की आमद, यात्रा प्रभावित नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चलती ट्रेन में किसी भी घटना, दुर्घटना या आपराधिक वारदात की स्थिति में अब यात्रियों को ट्रेन छोड़ने की आवश्यकता नहीं है। एक कॉल पर शासकीय रेलवे पुलिस, जीआरपी यात्रियों तक पहुंच रही है और मौके पर ही एफआईआर दर्ज की जा रही है। रायपुर मंडल में इस सुविधा का यात्रियों को सीधा लाभ मिल रहा है। ट्रेन में चोरी या किसी अन्य घटना की सूचना देने पर शिकायत संबंधित थाने तक स्वतः पहुंच जाती है और कार्रवाई शुरू हो जाती है। हालांकि अभी भी कई यात्री इस सुविधा से अंजान हैं और घटना होने पर घबरा जाते हैं। कई बार यात्री बीच रास्ते में ट्रेन से उतरकर रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए स्टेशन पर रुक जाते हैं, जिससे उनकी यात्रा बाधित होती है। रेल पुलिस अधिकारियों के अनुसार, चलती ट्रेन में एफआईआर दर्ज कराने की सुविधा पहले से उपलब्ध है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण इसका उपयोग कम हो रहा है। ऐसे में जरूरी है कि यात्री रेलवे हेल्पलाइन और पुलिस सुविधाओं की जानकारी रखें, ताकि आपात स्थिति में समय पर मदद मिल सके।

■ यात्री सीधे हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल कर दर्ज करा रहे शिकायत, मौके पर पहुंच रही रेलवे पुलिस

महिलाओं-बच्चों के लिए विशेष सतर्कता

जीआरपी महिलाओं और बच्चों को लेकर बेहद सतर्क रहती है। रेलवे स्टेशन और ट्रेन में चलने वाले गार्ड बच्चों पर नजर रखते हैं। कई बार छोटे बच्चे अभिभावकों से नाराज होकर आ जाते हैं। महिलाएं भी घरेलू विवाद के कारण घर छोड़ देती हैं। पुलिसकर्मी नाबालिग बच्चों और महिलाओं को अकेले देखकर उनसे जानकारी लेते हैं।

अब कहीं से भी दर्ज करा सकते हैं रिपोर्ट

अब चलती ट्रेन में किसी भी अप्रिय घटना जैसे चोरी या लूट की स्थिति में थाना क्षेत्र की सीमा को लेकर यात्रियों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। यात्री सीधे हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। सूचना मिलते ही ट्रेन में मौजूद जीआरपी तुरंत संबंधित यात्री तक पहुंच जाएंगे। एफआईआर दर्ज कराने के लिए पुलिसकर्मी यात्रियों को आवश्यक फॉर्म उपलब्ध कराएंगे। यात्री द्वारा फॉर्म भरने के बाद उसे पुलिसकर्मी के माध्यम से अगले स्टेशन पर स्थित थाने में अग्रेषित किया जाएगा, जहां विधिवत एफआईआर दर्ज की जाएगी। अक्सर देखा गया है कि सीमा क्षेत्र के भ्रम के कारण यात्री रिपोर्ट दर्ज कराने से हिचकते हैं, लेकिन रेलवे ने स्पष्ट किया है कि अब किसी भी रेलवे थाने में, किसी भी स्थान से एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है। इससे यात्रियों को त्वरित न्याय और सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

छग के स्थापना दिवस पर शिवसेना की बाइक रैली

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के अवसर पर शिवसेना कार्यकर्ता और पदाधिकारियों द्वारा बाइक रैली स्टेशन चौक हनुमान मंदिर से संजय मार्केट गुरुनानक चौक, एमजी रोड शारदा चौक, तात्यापारा, पुरानी बस्ती, लाखेनगर, जोन क्रमांक 5, आश्रम चौक, राजकुमार कॉलेज होते हुए शिवसेना प्रदेश कार्यालय चौबे कॉलोनी में समाप्त होगी।

इसके बाद शिवसेना के प्रदेश प्रमुख, वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता को संबोधित कर आगामी कार्ययोजना, छत्तीसगढ़ हित, आमजन के हित के लिए उत्साहित करेंगे। यह जानकारी प्रदेश महासचिव संजय नाग, संतोष मार्कण्डेय, बल्लू जांगड़े ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

डेंजर जोन के ट्रामा सेंटर का काम दो साल बाद भी अधूरा, घायल राजधानी के अस्पतालों के भरोसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सड़क हादसों में घायल होने वालों को त्वरित उपचार प्रदान करने के लिए डेंजर जोन माने जाने वाले धरसींवा में ट्रामा सेंटर बनाने की योजना दो साल बाद भी पूरी नहीं हो पाई है। इस इलाके में होने वाली घटनाओं के घायलों को अभी भी उपचार के लिए रायपुर के अस्पताल के भरोसे रहना पड़ रहा है। ट्रामा में जरूरी उपकरण उपलब्ध कराने के साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की योजना भी थी।

■ धरसींवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जाना था तैयार

राजधानी के आउटर में धरसींवा इलाका भी एक्सीडेंट के मामले में डेंजर जोन माना जाता है। इसके अलावा वहां काफी संख्या में औद्योगिक संस्थान भी हैं, जहां अक्सर हादसे होते रहते हैं। इन एक्सीडेंट में घायल होने वालों को उपचार की त्वरित सुविधा देने के लिए वहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ट्रामा सेंटर बनाने की योजना तैयार की गई थी। राशि स्वीकृत होने के बाद इसका काम शुरू हुआ, मगर गति इतनी धीमी है कि लंबा समय बीतने के बाद भी ट्रामा सेंटर पूरा नहीं बन पाया है। अब तक केवल भवन निर्माण की प्रक्रिया पूरी हो पाई है। भवन की फिनिशिंग और अन्य संसाधन जुटाने का काम अभी भी बाकी है, जिसमें लंबा वक्त लगने की संभावना है। अभी धरसींवा इलाके में होने वाले एक्सीडेंट अथवा अन्य तरह की घटना होने पर मरीजों को उपचार के लिए राजधानी के अस्पतालों तक लाना पड़ता है, जो जोखिम भरा होता है और कई बार इसकी वजह से जनहानि की संख्या में भी इजाफा हो जाता है।

हालत स्थिर करने के बाद रेफर

सूत्रों का कहना है कि यहां बनाए जाने वाले ट्रामा सेंटर में प्राथमिक उपचार की तमाम सुविधाएं जुटाई जानी हैं। किसी हादसे का शिकार होकर जब कोई मरीज वहां पहुंचेगा तो आवश्यक उपचार के बाद हालत स्थिर कर आगे के इलाज के लिए बड़े संस्थानों में रेफर किया जाएगा। इसके लिए वहां कुछ चिकित्सा विशेषज्ञों की नियुक्ति भी की जानी है। आवश्यक उपकरणों की खरीदी सीजीएमएससी के माध्यम से होनी है।

कर रहे व्यवस्था

धरसींवा ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. विकास तिवारी ने बताया कि भवन की फिनिशिंग बाकी है। कुछ कमरों में अस्थि रोग के मरीजों का इलाज किया जा रहा है। ट्रामा निर्माण के लिए जरूरी सुविधाएं जुटाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। आने वाले दिनों में इसे प्रारंभ करने की तैयारी है।

बांड पोस्टिंग की काउंसिलिंग पूरी, अब आर्डर के चक्कर में अटकी ज्वाइनिंग

- पहली सूची वालों को पोस्टिंग आर्डर दिए, अन्य तीन लिस्ट में शामिल डॉक्टरों को भूला विभाग
- अनुबंध सेवा देने वाले डॉक्टर लगा रहे स्वास्थ्य संचालनालय के चक्कर, संतोषजनक जवाब नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बांड पोस्टिंग की प्रक्रिया पारदर्शी बनाने ऑनलाइन काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी करने के बाद विभाग डाक्टरों को पोस्टिंग आर्डर ही देना भूल गया है। इस चक्कर में करीब सौ चिकित्सा अधिकारी विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर अपनी ड्यूटी ज्वाइन नहीं कर पा रहे हैं। काउंसिलिंग के बाद बड़े कार्यक्रम में पहली सूची वालों को पोस्टिंग आर्डर दिए गए हैं। उसके बाद की तीन सूची में शामिल डॉक्टरों को अटका दिया गया। एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने वाले बांडेड डॉक्टर स्वास्थ्य संचालनालय के चक्कर लगा रहे हैं, मगर उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है।

हरिभूमि फॉलोअप

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में अपनी पढ़ाई पूरी करने वाले चिकित्सा छात्रों को दो साल की अनुबंध सेवा पूरी करनी होती है। इस अवधि के दौरान उन्हें विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में तैनात कर क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने की जिम्मेदारी दी जाती है। इस बार बांड पोस्टिंग के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रक्रिया पूरी की गई है और चार लिस्ट बनाकर प्रदेशभर के जिला अस्पताल, मेडिकल कालेज सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में तैनाती की गई। पहली सूची में शामिल कुछ डॉक्टरों को एक वृहद कार्यक्रम में पोस्टिंग आर्डर जारी किया गया। इसके बाद तीन अन्य सूची के करीब सौ डॉक्टरों को पंद्रह दिन से ज्यादा का वक्त बीतने के बाद भी पोस्टिंग आर्डर नहीं दिया गया है। इसे लेकर डॉक्टरों में असंतोष की स्थिति बनने लगी है। उनका कहना है कि स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर नहीं होने की वजह से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं और ज्वाइनिंग नहीं दिए जाने के कारण उनकी बांड अवधि आगे बढ़ रही है। चिकित्सा छात्रों का कहना है कि इस बारे में उनके द्वारा स्वास्थ्य संचालनालय के अधिकारियों से मुलाकात की गई, मगर उनकी ओर से किसी तरह का संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा है।

सीजीडीएफ ने जताई आपत्ति

बांड पोस्टिंग की सूची जारी करने के बाद भी एमबीबीएस पासिंग आउट डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र नहीं दिए जाने के मामले में छत्तीसगढ़ डॉक्टर्स फेडरेशन (सीजीडीएफ) ने आपत्ति जताई है। ज्वाइनिंग नहीं होने की वजह से संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार व्यवस्था प्रभावित हो रही है। अध्यक्ष डॉ. हीरा सिंह लोधी का कहना है कि इस मामले में स्वास्थ्य संचालनालय के अधिकारियों से मिलकर समस्या के बारे में चर्चा की जाएगी।

रिफंड में आई तकनीकी समस्या

काउंसिलिंग में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की पंजीयन राशि के रिफंड को लेकर एक बार फिर तकनीकी समस्या आ गई है। नीट पीजी 2024 की काउंसिलिंग में शामिल 1068 विद्यार्थियों में से केवल 70 की पंजीयन राशि वापस हो पाई है। शेष 998 लोगों को राशि तकनीकी समस्या की वजह से वापस नहीं की जा सकी है। शिकायतों के बाद चिकित्सा शिक्षा संचालनालय द्वारा अब राशि वापसी के लिए ऑनलाइन आवेदन में दर्ज वैकल्पिक बैंक खाते का उपयोग किया जाएगा।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 15 जुलाई 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

लाखेनगर के पास मंदिर में खदानेश्वर महादेव का पहले सोमवार को दर्शन करने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी। लोग परिवार के साथ पूजा करने पहुंचे। विशेष श्रृंगार भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा।

'आस्था का महापर्व सावन के पहले सोमवार का आगाज ब्रह्म मुहूर्त में मंत्रोच्चार, अभिषेक, भस्म आरती, श्रृंगार आरती के बाद भक्तों को दर्शन और पूजन के लिए गर्भगृह में जाने का अवसर मिला। भक्तों को शिवजी ने गणेश और महाकाल के स्वरूप में दर्शन दिया। फलों-फूलों और पत्तियों से महादेव का आकर्षक श्रृंगार दर्शन करने के लिए लोगों को कतार का हिस्सा भी बनना पड़ा। महादेव घाट में कांवड़ियों के लिए अलग से व्यवस्था बनाई गई थी। इसके साथ ही हर क्षेत्र के शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ा।'

सावन के पहले सोमवार को शहर के शिवालयों में उमड़ी आस्था, मंत्रोच्चार और जयघोष की रही गूंज

गणेश-महाकाल स्वरूप देने शिवजी का फूलों से किया श्रृंगार, दर्शन करने लगा भक्तों का तांता

जॉब लाइव

भारतीय वायु सेना में एयरमैन ग्रुप पदों पर भर्ती शुरू

रायपुर। इंडियन एयरफोर्स की ओर से ग्रुप Y के तहत एयरमैन पदों पर भर्ती हो रही है। जो भी उम्मीदवार भारतीय वायु सेना में शामिल होने का सपना देख रहे हैं, वे इस भर्ती में भाग ले सकते हैं। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी भर्ती में भाग लेने के लिए ऑनलाइन माध्यम से इंडियन एयरफोर्स की ऑफिशियल वेबसाइट airmenselection.cdac.in पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन एवं फीस जमा करने की लास्ट डेट 31 जुलाई निर्धारित की गई है। इस भर्ती में एयरमैन पदों पर आवेदन के लिए 12वीं/ इंटरमीडिएट या समकक्ष फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी एवं अंग्रेजी विषयों के साथ उत्तीर्ण किया है। अभ्यर्थी के अंग्रेजी विषय में कम से कम 50 फीसदी अंक होने अनिवार्य हैं। इसके साथ ही मेडिकल असिस्टेंट पदों पर आवेदन के लिए अभ्यर्थी का जन्म 02 जनवरी 2005 से पहले एवं 02 जनवरी 2009 के बाद न हुआ हो। मेडिकल असिस्टेंट ट्रेड पदों के लिए अभ्यर्थी की अधिकतम आयु 21 वर्ष से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा डिप्लोमा/ बी.एससी फार्मेसी पदों के लिए उम्मीदवार की उम्र 24 साल से ज्यादा न हो।

कितना लगेगा आवेदन शुल्क एप्लीकेशन प्रॉसेस

इस भर्ती में आवेदन पत्र भरने के साथ सभी वर्गों से आने वाले उम्मीदवारों को 550 रुपए के साथ जीएसटी शुल्क का अलग से भुगतान करना होगा। ध्यान रखें कि फॉर्म भरने के साथ फीस अवश्य जमा करें, बिना शुल्क भरे गए फॉर्म स्वतः ही निरस्त हो जाएंगे। एप्लीकेशन फीस ऑनलाइन माध्यम से जमा की जा सकती है। आवेदन के लिए उम्मीदवारों को सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट **airmenselection.cdac.in** पर विजिट करना है। वेबसाइट के होम पेज पर भर्ती से संबंधित आवेदन लिंक पर क्लिक करना होगा। इसके बाद नए पेज पर पहले रजिस्टर बटन पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल भरनी है। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद उम्मीदवारों को लॉग इन पर क्लिक करके अन्य डिटेल भरकर फॉर्म को पूरा कर लेना है। अंत में वर्ग के अनुसार निर्धारित शुल्क जमा करके फॉर्म को सबमिट कर देना है और भविष्य के संदर्भ के लिए एक प्रिंटआउट निकालकर सुरक्षित रख लेना है।

सिटी इवेंट

शिव भक्ति में रंगा संगीत महाविद्यालय रागों और भजनों से गूंजा भक्ति भाव

रायपुर। सावन माह के प्रथम सोमवार को कमला देवी संगीत महाविद्यालय के गायन विभाग में विशेष संगीतमय आयोजन किया गया। बीए व एमए संगीत के विद्यार्थियों ने भगवान शिव की आराधना शास्त्रीय बंदिशों एवं भजनों के माध्यम से कर संगीत साधना को भक्ति भाव से जोड़ा। कार्यक्रम की शुरुआत सोनाली गोल्डर द्वारा राग हंसध्वनि की मधुर प्रस्तुति से की गई। इसके बाद प्रीति साहू ने राग यमन में 'सदा शिव भज मन निसदिन' जैसी प्रचलित बंदिश से वातावरण को भक्तिमय किया। कुमारी राधिका यादव ने एक भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किया और अनुराग साहू ने राग दुर्गा की एक सुंदर बंदिश से शिवमयी वातावरण रचा। अजय मिश्रा ने इस अवसर पर एक कव्वाली से भक्ति का नया रंग भरा। वहीं, श्रुति विश्वास ने राग भैरवी में चौताल की ध्रुपद 'भस्म अंग, गौरी संग...' प्रस्तुत कर विशेष सराहना पाई।

वंदना से शिव-भाव किया जाग्रत

एमए के विद्यार्थियों ने भी प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। छाया मौसमी ने राग देशकार में झपताल की रचना 'गौरांग अर्धांग' प्रस्तुत की। राजा बैरागी और शिवानी यादव ने भावपूर्ण भजन एवं वंदना से शिव-भाव जागृत किया। वर्षा चतुर्वेदी ने राग भैरव में एकताल-द्रुतलय में 'हर हर शिव शंकर' रचना को अत्यंत निपुणता से प्रस्तुत किया। सलोनी मुंड और पप्पू यादव की प्रस्तुतियां भी उल्लेखनीय रहीं। मयंक बैरागी ने राग हमीर में चौताल का ध्रुपद 'शंकर शिव धरत ध्यान...' गाकर कार्यक्रम को एक ऊंचाई प्रदान की। कार्यक्रम का समापन गायन विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. दीपक बेडेकर द्वारा रचित राग शंकर की आड़ाचौताल में बंदिश 'डमरू बाजे डम डम बाजे...' से हुआ, जिसमें शिव के तांडव रूप की झलक मिली। कार्यक्रम में तबले पर हरि पटेल ने प्रभावशाली संगत दी, जबकि हारमोनियम पर निखिल सोनी, नितिन लुनिया एवं पप्पू यादव ने संगत कर प्रस्तुतियों को समृद्ध किया। डॉ. बेडेकर ने समय-समय पर विद्यार्थियों की संगत भी की।

रायपुर। महादेव घाट स्थित हाटकेश्वर नाथ मंदिर को रंगीन लाइटों से सजाने के साथ ही आने वाले भक्तों की सुविधा के लिए भी पुख्ता इंतजाम था। कांवड़ लेकर छोटे-छोटे समूह में पहुंचे कांवड़ियों के लिए अलग से व्यवस्था की गई थी। सेवा को सुचारू रूप से चलाने के लिए भक्तों को जिम्मेदारी दी गई थी। इस बार कांवड़ियों का जत्था पहले सोमवार को बड़े समूह में नहीं पहुंचा। इससे शिवालय में लोगों को सिर्फ श्रृंगार दर्शन के लिए कतार का हिस्सा बनना पड़ा। अभिषेक का संकल्प लेकर पहुंचे कांवड़ियों को अभिषेक का अवसर देने में युवा सेवकों ने सहयोग दिया। कुछ इसी तरह का नजारा शहर के सभी शिवालयों में देखने को मिला।

गणेश थीम बेस्ड महादेव का भव्य श्रृंगार

महादेव घाट स्थित हाटकेश्वर नाथ मंदिर में महंत सुरेश गिरी गोस्वामी सहित संत-महंतों की अगवानी में महादेव को फूलों और पत्तियों से गणेश के प्रतीक स्वरूप में सजाया गया। गर्भगृह को सजाने-संवारने के बाद आरती के लिए पट खोला गया। इसमें ब्रह्म मुहूर्त में दर्शनार्थी और कांवड़िए शामिल हुए। दर्शन के लिए सोमवार को भक्तों का तांता लगा रहा। दर्शन व अभिषेक करने वाले भक्तों की आवाजाही से मेला का माहौल लोगों को मिला। पहले सोमवार को अलग-अलग क्षेत्र से पहुंचे कांवड़ियों के लिए मंदिर समिति ने सहयोग देने के लिए अलग से टीम लगाई थी, जो आने वाले कांवड़ियों को अभिषेक में सहयोग दे रही थी।

इन मंदिरों में मूर्ति और शिवलिंग को दिया आकर्षक स्वरूप

राजेन्द्र नगर में सिद्धि श्री शिव निहाल मंदिर में भोलेनाथ की मूर्ति का फूलों से श्रृंगार किया गया। सुबह से यहां लोग भगवान के आकर्षक स्वरूप की एक झलक पाने और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे।

तेलीबांधा स्थित शिव मंदिर में भक्तों और पुरोहितों ने मिलकर महादेव की मूर्ति का फूलों और पत्तियों से साज-श्रृंगार किया। श्रद्धालुओं की आवाजाही के बीच शाम को आरती में भक्तों की भीड़ उमड़ी।

अवंति विहार शिव मंदिर श्रद्धा का केन्द्र है। दो शिवलिंग हैं, इस पर विराजमान शिव के दिव्य स्वरूप का दर्शन करने भक्तों का दिनभर तांता लगा रहा। लोगों को पूजा करने के लिए इंतजार करना पड़ा।

आकाशवाणी चौक के पास शिव मंदिर में सुबह से भक्तिमय माहौल रहा। यहां फूलों से किया गया विशेष श्रृंगार दर्शन के लिए भक्तों में उत्साह देखने को मिला। वहीं, लोग सेल्फी लेने से भी नहीं चूक रहे थे।

मालवीय रोड शिव मंदिर में महादेव को महाकाल की तर्ज पर भक्तों ने सजाया था। पहले सोमवार को सुबह से ही दर्शन और पूजा-अर्चना करने के लिए उपासकों की भीड़ रही। कई लोगों ने अभिषेक किया।

सामाजिक सभा भवन से निकली कांवड़ यात्रा

रामनगर शीतला मंदिर से महादेव घाट तक जलाभिषेक करने के लिए सैकड़ों महिला कांवड़ियों का जत्था निकला। शीतला माता मंदिर से ढुबेलिया तेली समाज के सैकड़ों श्रद्धालु कांवड़ यात्रा का हिस्सा बने। बोल बम और हर- हर महादेव के जयघोष के साथ महादेव घाट तक नाचते-गाते आगे बढ़े। समाज के लोगों ने भगवान महादेव को जलाभिषेक करने के बाद आरती में शामिल होने के बाद यात्रा का समापन किया।

अलौकिक स्वरूप का भक्तों ने किया दर्शन

सुरेश्वर महादेव पीठ के पं. स्वामी राजेश्वरानंद के अगवानी में सोमवार को सुबह से ही पूजा-अर्चना के बाद महादेव का फूलों से श्रृंगार किया गया। इस अलौकिक स्वरूप का दर्शन करने के लिए पहुंचे भक्तों ने विशेष पूजा और अभिषेक में भाग लिया। इस मंदिर में भक्त सोमवार के अलावा अन्य दिन अभिषेक और रुद्राभिषेक का लाभ ले सकते हैं। इसके चलते दिनभर पूजा और दर्शन के लिए आने-जाने वाले भक्तों की वजह से आस्था का माहौल देखने को मिला। आचार्य रामकृष्ण त्रिपाठी, आचार्य युगल किशोर शर्मा के साथ ही शेरू महाराज, कायम सिंह भगत, रमेश अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, सेवक राम साहू, भूषण साहू प्रमुख रूप से आयोजन का हिस्सा बने।

फूल-माला और पूजा सामग्री बेचने वालों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

सावन सोमवार को भक्तों की भीड़ सभी मंदिरों में देखने को मिली। रुद्राभिषेक, जलाभिषेक, व्रत-पूजन और विशेष शिव चालीसा पाठ का सिलसिला चला। इसके चलते सुबह से पूजा सामग्री की दुकानों में भीड़ बढ़ने से फूल, माला, पूजा सामग्री बेचने वालों के चेहरे पर मुस्कान लौटी है। वहीं, श्रद्धालु भी श्रद्धा भाव से पूजा सामग्री लेने पहुंचे। हर छोटे- बड़े दुकान में सामग्री उचित मूल्य पर खरीदी और बिकी हुई। गोलबाजार, महादेव घाट, बूढ़ेश्वर मंदिर के बाहर पैकेट बनाकर 50 से 100 रुपए में पूजा सामग्री को लोग लेने के बाद प्रवेश करते मिले। कुछ लोग घर से पूजा के लिए सामान लेकर पहुंचे। बेलपत्र, मदार के माले, धतूरा, भस्म, शमी के पत्ते, दूध, दही, शहद, गंगाजल, पंचामृत, चंदन, अगरबत्ती, कपूर लोग खरीदते नजर आए।

घर में छोटे पैकेट बनाकर बेच रहे लोग

अनाज के छोटे पैकेट जिसमें गेहूं, चना दाल, खडा मूंग, पीला सरसों, मसूर दाल व लौंग, इलायची 10 से 20 रुपए के पैकेट में उपलब्ध कराया गया। साथ ही चंदन, रोली, सिंदूर के छोटे डिब्बे 20 से 50 के रुपए में बिक रहे थे। फूलों और कुछ पूजा सामग्री की कीमतों में हल्की बढ़ोतरी हुई है। गुलाब, चमेली, कनेर, गेंदे के फूलों की माला के साथ अलग से भी फूलों की बिक्री की गई। इनकी कीमत 20 से 100 रुपए तक थी। बेलपत्र की माला 10 से 50 रुपए में बिक रही थी। इसके बाद भी श्रद्धालु भगवान को अर्पित करने खरीदते मिले।

शहर के बूढ़ेश्वर चौक स्थित बूढ़ेश्वर महादेव मंदिर में अभिषेक करने के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे। यहां अलग-अलग फूलों और पत्तियों से साज-श्रृंगार व दर्शन करने के लिए शाम को भक्तों की भीड़ रही।

नरैय्या तालाब के पास श्रीनरहरेश्वर महादेव की एक झलक पाने के लिए दिनभर श्रद्धालुओं का आना- जाना लगा रहा। भगवान का फूलों से विशेष श्रृंगार होने से दर्शनार्थियों को खास स्वरूप देखने को मिला।

इसी तरह बूढ़ापारा हनुमान शिव मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का आना-जाना दिनभर लगा रहा। लोगों को पूजा-अर्चना करने के साथ ही पीतल के आभूषणों से विशेष श्रृंगार आकर्षण का केन्द्र रहा।

सिटी इवेंट

मानव सेवा दिवस पर पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश

रायपुर। मानव सेवा दिवस के अवसर पर रविवार को समाज सेवा के संस्थापक अनिल गुरुबक्षाणी की पुण्यतिथि पर विभिन्न कार्यक्रम संपन्न हुए। संस्था द्वारा पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के लिए लभाण्डी एवं महावीर नगर के लोगों के साथ मिलकर सुबह पौधारोपण किया गया। सदस्यों ने बताया, हमारा सामाजिक दायित्व है कि पर्यावरण के प्रति लोगों जागरूक करें और उनके महत्व को बताएं। पर्यावरण की क्षति को देखते हुए हमें वृक्षारोपण को बढ़ावा देना चाहिए। अगली पीढ़ी को पर्यावरण का महत्व बताएं, साथ ही ये सिखाएं कि ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं। यह सामाजिक दायित्व के साथ मानव सेवा के रूप में काम करना है।

प्रशिक्षण से विद्यार्थियों में सीखने की लालसा बढ़ेगी

इस दिवस पर संस्था ने सिंधी पंचायत महावीर नगर के सहयोग से सातवां निशुल्क कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर का लोकार्पण किया। सदस्यों ने बताया कि निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण से विद्यार्थियों में सीखने की लालसा बढ़ेगी। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए ये मौका अहम है, जब वे कंप्यूटर प्रशिक्षण लेंगे। साथ ही 21 विद्यार्थियों को 2 लाख रुपए शिक्षा वर्ष की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में किशोर आहूजा, अमित चिमनानी, सचिन मेघानी, डॉ. एमडी गजवानी, पीएल विधानी, राधाकिशन सुंदरानी, शहर के गणमान्य नागरिक एवं अन्य सदस्य शामिल हुए।

सिटी लाइव

नेपाल के प्रोफेसर ने मत्स्य प्रजनन को सफल बनाने दिए जरूरी टिप्स

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 5 दिवसीय उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन प्रशिक्षण का समापन सोमवार को हुआ। इसमें मत्स्य कृषकों को मछली पालन, उत्तम मछली उत्पादन ,हैचरी, मछली के अनुकूल वातावरण में पालन-पोषण, कृत्रिम प्रजनन, उन्नत ढंग से मछली प्रजनन के बारे में बताया गया। साथ ही मछली की देखरेख व व्यवसाय के बारे में जानकारी दी गई। पांच दिवसीय प्रशिक्षण मत्स्य कृषक दिवस 10 जुलाई से प्रारंभ किया गया था। इसमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र के मत्स्य कृषकों ने भाग लिया। इन पांच दिनों में कई प्रोफेसरों ने प्रशिक्षण दिया। नेपाल के प्रोफेसर रेवती सिंह ने मत्स्य प्रजनन के बारे में कहा, बारिश में प्रजनन की संख्या अधिक होती है।

कैटफिश प्रजनन व मत्स्य हैचरी के बारे में दी जानकारी

डॉ. सौगत ससमेल ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि कैटफिश को पालने के लिए पहले परिपक्व कैटफिश को ब्रीडिंग टैंक में रखा जाता है, जहां वे अंडे देती हैं। फिर इन अंडों को हैचरी में ले जाया जाता है, जहां उन्हें अनुकूल परिस्थितियों में रखा जाता है। मछली के बच्चों को कुछ समय के लिए नर्सरी तालाबों में पाला जाता है, फिर उन्हें बड़े तालाबों में स्थानांतरित कर दिया जाता है। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर डॉ. गौतम राय ने कहा कि मत्स्य का पालन कृषि के क्षेत्र में बड़ा योगदान और आय का उत्तम स्रोत है। प्रशिक्षण के बाद मत्स्य कृषकों ने अपने विचार को साझा किया।

पारंपरिक कला को नई सांसें देने जुटे कलाकार, विलुप्ति से पहले बचाने का संकल्प

लोककलाओं को बचाने की जिद बनी पहचान बदलते दौर में भी थामा परंपरा का दामन

दशकों से पीढ़ियों का मनोरंजन कर रहे लोकगीत, कथाओं, नाट्य कलाओं को जिंदा रखने कलाकारों में जुनून कायम है। आधुनिक मनोरंजन के विविध मंच और साधनों ने इन पारंपरिक लोककलाओं यथा कठपुतली आर्ट, भरथरी गीत, बांस गीत, नाचा-गम्मत, पंडवानी से दर्शकों व श्रोताओं को काफी हद तक दूर कर दिया है। ऐसे में विशेषकर छत्तीसगढ़ समेत देश के पारंपरिक लोकगीत, कथाओं, नाट्य कलाओं के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है। इस विपरीत परिस्थितियों के बीच इन लोककलाओं को सहेजे रखने इससे जुड़ी पुरानी-नई पीढ़ी के लोक कलाकारों की जिद एक मिसाल बन रही है।

रायपुर। लोककलाओं के कलाकार विविध प्रयासों से पारंपरिक मंचों के साथ-साथ आधुनिक मंचों पर अपनी कला के प्रस्तुतिकरण से दर्शकों व श्रोतओं को फिर से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश की कुछ ऐसी ही पारंपरिक लोककलाओं से जुड़े कलाकारों से हरिभूमि की टीम ने बातचीत कर इन कलाओं को विलुप्ति की कगार पर पहुंचने से बचाने और सहेजते हुए आगे की पीढ़ी में हस्तांतरित करने की भूमिकाओं को जानने का प्रयास किया।

पपेट शो को अट्रैक्टिव टीचिंग और कार्टून कैरेक्टर से जोड़ रहे

भिलाई निवासी कठपुतली आर्टिस्ट विभाष उपाध्याय ने बताया कि 28 साल से पपेट शो कर रहे हैं। विलुप्त होती विधा को जानकर ही 1996 में पुणे से पपेट आर्ट की ट्रेनिंग लेकर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों समेत श्रीलंका जैसे देश में पपेट शो कर चुका हूं। पिछले कुछ सालों में लगातार कठपुतली शो की डिमांड समय के साथ कम हुई, पर कभी मेरे मन में अपने इस आर्ट्स को छोड़ने का ख्याल नहीं आया, बल्कि कठपुतली आर्ट्स को दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनाए रखने के लिए इसके मंच व प्रस्तुतिकरण के ढंग तथा कैरेक्टर्स में लगातार इनोवेशन करता रहा हूं। व्यावसायिक दृष्टि का ध्यान में रखते हुए लोगों की इंट्रेस्ट के मुताबिक पारंपरिक कठपुतली प्रस्तुतिकरण को बढ़ावा दे रहा हूं।

यू-ट्यूब, सोशल मीडिया मंच पर पंडवानी

भाटापारा निवासी पंडवानी गायिका पुष्पा निषाद बताती हैं कि वे बचपन से ही पंडवानी से जुड़ी हैं। पहले गांव-गांव के चौक-चौराहों पर हर एक छोटे-बड़े उत्सव, छट्ठी के कार्यक्रम हों या फिर तीज-तिहार, पंडवानी का मंचन, छत्तीसगढ़ के आमजन के सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम रहे हैं, लेकिन जब से मनोरंजन के विविध आधुनिक साधन आए हैं, दर्शक-श्रोता पूरी तरह से पंडवानी के मंच से दूर होते चले गए। पंडवानी लोकगीत शैली को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर पद्म विभूषण तीजन बाई के प्रयासों से ख्याति मिली है। ऐसे में इसे सहेजने और फिर से दर्शकों-श्रोताओं को पंडवानी के मंच से जोड़ने पारंपरिक मंच के अलावा सोशल मीडिया यू-ट्यूब जैसे प्लेटफार्म पर रिकार्डिंग सांग्स, वीडियो अपलोड कर दर्शकों से अधिक से अधिक जुड़ने का नवाचार प्रयास कर रहे हैं।

गायन और प्रस्तुतिकरण के ढंग को आकर्षित बनाने नवाचार

छत्तीसगढ़ में भरथरी गीत की प्रसिद्ध गायिका सूरज बाई खांडे हैं। उनके अलावा नई पीढ़ी के कलाकारों में रेखा जलक्षत्री, हेमलता पटेल, और कर्णिका साहू जैसे गायक भी भरथरी गीत प्रस्तुति को आगे बढ़ाने योगदान दे रहे हैं। इन नई पीढ़ी के कलाकारों का भरथरी गायन कला को लेकर कहना है कि वे भरथरी को दर्शकों व श्रोताओं के बीच पहले जैसे लोकप्रिय बनाने मंचीय प्रस्तुति में बदलाव कर रहे हैं। इसमें राजा भरथरी की जीवनगाथा के साथ-साथ भरथरी शैली में दूसरे पारंपरिक व छत्तीसगढ़ी जोनर के गीतों को भी गाकर सोशल मीडिया, छत्तीसगढ़ी सिनेमा जैसे विविध मंचों पर प्रस्तुतिकरण को लेकर प्रयासरत हैं, ताकि दर्शकों-श्रोताओं की इस विधा के प्रति दिलचस्पी में वृद्धि हो सके।

नाचा-गम्मत का अस्तित्व बचाने जुटी नई पीढ़ी

नाचा-गम्मत से जुड़े कुछ प्रमुख नाम और समूह हैं, जो अभी भी इस विधा को आगे बढ़ा रहे हैं। उनमें से कुछ यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर भी प्रस्तुति दे रहे हैं। इसमें जय अंबे छत्तीसगढ़ी नाचा पार्टी, शिव भोला नाचा पार्टी ठाकुरटोला, रंग संध्या छत्तीसगढ़ लोककला नाचा पार्टी मानपुर, मनमोहना नाचा पार्टी इंदामरा राजनांदगांव और कका-भतीजा नाचा पार्टी प्रमुख हैं। ये सभी समूह अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से नाचा-गम्मत की समृद्ध विरासत बनाए रखने प्रयासरत हैं।

बांस गीत समूह दल की वेशभूषा वाद्ययंत्र और वादन शैली में नया प्रयोग

छत्तीसगढ़ में बांस गीत के कई सुप्रसिद्ध कलाकार रहे हैं, इनमें मिथिलेश साहू, भूपेंद्र साहू, लखन यादव, मोहन सुंदरानी, बलवंत यादव, फेरहाराम यादव, संतराम यादव प्रमुख हैं। बालोद जिले के पछाराम यादव, बाबूलाल यादव और सहदेव यादव बांस गीत के नामी कलाकार हैं, जो पारंपरिक बांस गीत लोककला को आज भी जीवित रखे हुए हैं। बालोद जिले के पछाराम यादव, बाबूलाल यादव और सहदेव यादव कहते हैं, वर्तमान दौर बांस गीत के लिए संकट का दौर है, लेकिन छत्तीसगढ़ के लोगों में आज भी बांस गीत रचा-बसा है। इससे बांस गीत प्रेमियों का यही लगाव हमें इस दौर में भी इस विधा को जीवित रखने की हिम्मत दे रहा है। बांस गीत की प्रस्तुति को अधिक प्रभावशाली व रोचक बनाने कलाकारों की वेशभूषा, वाद्य यंत्र, वादन की शैली में नवाचार कर रहे हैं। इनके अलावा माटरा गांव के नई पीढ़ी के बांस गीत कलाकार बलराम यादव, धरम सिंह यादव, झंगलूराम यादव इस प्राचीन लोककला को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

गंभीरता ही धर्म का आधार है क्षुद्रता केवल विनाश लाती है, जिसने स्वयं को समझा, वही धर्म को जान सका

रायपुर। श्री विमलनाथ जैन मंदिर एवं श्री नाकोड़ा भैरव सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे चातुर्मास प्रवचन श्रृंखला में मुनि श्री प्रियदर्शी विजय महाराज ने कहा कि क्षुद्र शब्द का प्रयोग तुच्छ, क्रूर, दरिद्र आदि कई अर्थों में किया जाता है। परंतु, यहां क्षुद्र का अर्थ है अगम्भीर। धर्म ग्रहण करने का अधिकारी कौन है ? कहा गया है कि जो व्यक्ति गम्भीर है, किसी वस्तु के दर्शन में या किसी व्यक्ति के सम्बन्ध में वह स्थूल बुद्धि से निर्णय लेने वाली नहीं होता। क्योंकि, स्थूल बुद्धि से लिया गया निर्णय व्यक्ति को शत्रुता की स्थिति में ले जाने वाला बन जाता है। हमारा मूल विचार यह था कि एक 'अक्षुद्र' व्यक्ति ही धर्म को समझ सकता है, धर्म को प्राप्त कर सकता है और धर्म में स्थिर रह सकता है। उस व्यक्ति में निहित गंभीरता उसे अनेक प्रकार के गुणों का पात्र बना सकती है। समुद्र बच्चों को भी दिखाई देता है और गोताखोरों को भी। बच्चों के लिए समुद्र सीपियों का भण्डार मात्र है, जबकि गोताखोरों के लिए समुद्र रत्नों का भण्डार है। एक की दृष्टि सतह तक ही सीमित रहती है, क्षुद्र होती है, तो दूसरे की गंभीर। किसी वस्तु को सतह तक की ही दृष्टि से देखने पर उसका उचित न्याय नहीं हो पाता, जबकि किसी वस्तु को गंभीर दृष्टि से देखने पर उसका न्याय कर पाने की संभावना बनी रहती है।

क्षुद्रता अनेक दोष लाती है

क्षुद्रता अनेक प्रकार के दोष लाती है। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह व्यक्ति को अन्य प्राणियों के साथ अधिक समय तक मित्रता बनाए रखने नहीं देता। क्योंकि, दूसरे के दोष देखने के बाद व्यक्ति में उन्हें पचाने की शक्ति नहीं रहती। अत्यधिक खुशी या अत्यधिक दुःख में वह किसी भी समय दूसरे व्यक्ति के अकथनीय दोषों को बोल देता है। और, नतीजा यह होता है कि सामने वाले का दिल दुखता है। उसके मन में दूसरे के प्रति दुर्भावनाएं पनपती हैं और अंततः दोस्ती टूट जाती है। क्षुद्रता का एक और दोष यह है कि छोटी-छोटी बातों में भी क्षुद्र व्यक्ति कभी खुश तो कभी दुखी हो जाता है।

क्षुद्र व्यक्ति का व्यवहार तुच्छ होता है

तुच्छ व्यवहार से व्यक्ति धन तो बचा सकता है, लेकिन अपने ही परिवार का प्रेम हमेशा के लिए खो देता है। इस संसार में धन की हानि की पूर्ति धन से की जा सकती है, लेकिन प्रेम की हानि की पूर्ति धन से कभी नहीं की जा सकती। तुच्छ व्यक्ति प्रेम या मित्रता की ज़्यादा परवाह नहीं करता। वह सजीव व्यक्ति से ज़्यादा निर्जीव वस्तुओं को महत्व देता है। और, इसीलिए निर्जीव वस्तुओं से प्रेम करके वह भी निर्जीव वस्तु जैसा बन जाता है। उसके संसार में भावना, स्नेह, प्रेम, संवेदनशीलता जैसा कुछ भी नहीं है। जो कुछ है, वह केवल 'स्वार्थ' में ही लीन है।

संभाग के दर्शनार्थियों को लेकर आज अयोध्या रवाना होगी ट्रेन

रायपुर। श्री रामलला दर्शन योजना अंतर्गत इस वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली ट्रेन आज रायपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। रायपुर संभाग के दर्शनार्थियों को लेकर रवाना होने वाली ट्रेन को रेलवे स्टेशन रायपुर से दोपहर 12:00 बजे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, प्रबंध संचालक विवेक आचार्य, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं दक्षिण पूर्व-मध्य रेलवे रायपुर संभाग के डी.आर.एम. दयानंद, सीनियर डी.सी.एम. अवधेश त्रिवेदी और आई.आर.सी.टी.सी-साऊथ सेंट्रल जोन के ग्रुप महाप्रबंधक पी. राजकुमार भी उपस्थित रहेंगे। प्रदेशवासियों को उनके जीवन काल में एक बार प्रभु श्रीराम लला के दर्शन (अयोध्या धाम) कराए जाने की राज्य सरकार की घोषणा पत्र अनुसार छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड तथा इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन के मध्य एमओयू संपादित किया गया था। इस योजना के अंतर्गत पिछले वित्तीय वर्ष में छत्तीसगढ़ के लगभग 22,100 दर्शनार्थियों को दर्शन कराया गया। प्रभु श्रीराम लला दर्शन योजना अंतर्गत अयोध्या धाम के लिए यह स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन रायपुर, बिलासपुर, सरगुजा, बस्तर-दुर्ग (संयुक्त) संभाग के यात्रियों को श्रीराम लला अयोध्या धाम दर्शन के लिए निरंतर जारी रहेगी।

लाटा महाराज से राम जन्मोत्सव प्रसंग सुनकर मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

रायपुर। जब भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का जन्म हुआ तो अयोध्या धाम खुशी में डूब गई। सभी देवी- देवता उस पल का साक्षी बनने के लिए किसी न किसी रूप में धरती पर आ चुके थे। सभी भगवान का दर्शन करने के लिए आतुर थे। भगवान का जब जन्म हुआ सरयू मैया हिलोरा ले रही थी। पुरवाई के झोंके चल रहे थे। भगवान सूर्य नारायण अपने जगह पर ठहर गए। समता कॉलोनी स्थित मैक कॉलेज के ऑडिटोरियम में मानस मर्मज्ञ संत शंभू शरण लाटा महाराज से भगवान श्रीराम की भक्ति से ओतप्रोत प्रसंग सुन श्रोता भावविभोर हुए। महाराज ने आगे बताया कि भगवान राम का अवतरण संतों, भक्तों को तारने दुष्टों का संहार करने और धरती मैया के भार को कम करने के लिए हुआ था।

पूजा अभिमान के लिए नहीं, भगवान के लिए करें

महाराज ने बताया कि राम ने भोलेनाथ की पूजा सत्यता के लिए किया था। मिट्टी का शिवलिंग बनाकर भाव से पूजा की थी। वहीं, रावण ने अहंकार से पूजा की थी। भोलेनाथ को रावण अहंकार में चुर होकर अपने महल में बुलाते थे। यह रावण का अहंकार था, इसलिए उनका अहंकार भी खत्म हो गया और वह खुद खत्म हो गया। किसी को भी धर्म के काम में अहंकार नहीं करना चाहिए। आयोजक अरुण अग्रवाल और कर्तव्य अग्रवाल ने बताया कि कथा में जे.पी. बालाजी, अजय रतनगढ़, अशोक प्राइम, अशोक नंदन, महावीर, सुशील, महेन्द्र वर्मा प्रमुख रूप से शामिल हुए।

ज्योतिष

सावन में इस दिन हरी चूड़ियां खरीदना माना जाता है सबसे शुभ

सावन माह महिलाओं के लिए विशेष होता है। इस माह में महिलाओं को मेहंदी, हरे रंग के कपड़ों के अलावा हरी रंग की चूड़ियां पहनना काफी शुभ माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, मां पार्वती का प्रिय रंग हरा है। इसलिए सावन माह में इस रंग को धारण करने से शिव जी अति प्रसन्न होते हैं। सावन माह में अगर आप भी हरी चूड़ियां पहनने वाली है, तो कुछ नियमों का जरूर पालन करना चाहिए, जिससे शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। सावन में हरी रंग की चूड़ियों के अलावा मेहंदी, बिंदी और हरे रंग की वस्त्र पहनना भी शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं सावन माह में किस दिन खरीदनी चाहिए हरी चूड़ियां और पहनने के नियम

सावन में हरी चूड़ियां पहनने का महत्व : चूड़ियों को सोलह श्रृंगार में से एक माना जाता है। हरी चूड़ियों को सुहाग का प्रतीक माना जाता है। पति की लंबी उम्र, सुख-शांति की कामना करते हुए पहनती है। हरी चूड़ियाँ हरियाली, ताजगी और समृद्धि का प्रतीक भी मानी जाती है, जिन्हें पहनने से मानसिक और शारीरिक ऊर्जा को भी बढ़ाती है। वहीं, अविवाहित कन्याएं हरी चूड़ियाँ पहनकर अच्छे वर की प्राप्ति हेतु भगवान शिव और माता पार्वती से कामना करती है।

सावन में किस दिन खरीदे हरी चूड़ियां : सावन माह में शिव जी की कृपा पाने के लिए हरी चूड़ियां सोमवार या फिर शुक्रवार के दिन खरीद सकती हैं। ये दिन मां पार्वती और शिव जी से संबंधित है। धार्मिक मान्यता है कि माता पार्वती ने सावन के महीने में कठोर तप कर भगवान शिव को पति के रूप में पाया था। इसी कारण भगवान शिव को हरा रंग प्रिय है।

हरी चूड़ियां पहनने के नियम : हरी चूड़ियां खरीदने के तुरंत बाद न पहनें। बल्कि सोमवार या शुक्रवार के दिन पहले स्नान आदि करने के बाद मां पार्वती को चढ़ाएं। इसके बाद इन्हें पहना चाहिए। पहनते समय भगवान शिव का ध्यान करें और 108 बार 'ऊं नमः'शिवायः मंत्र का जाप करें। इसके साथ ही मन में सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करें।

30 साल बाद शनि होंगे मार्गी, इन राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम

वैदिक ज्योतिष में शनि देव को आयु, दुख, रोग, पीड़ा, विज्ञान, तकनीकी, लोहा, खनिज तेल, कर्मचारी, सेवक, जेल आदि का कारक माना जाता है। साथ ही शनि देव समय- समय पर मार्गी होकर राजयोग और शुभ योग का निर्माण करते हैं। आपको बता दें कि शनि देव 2025 के अंत में शनि देव मार्गी होने जा रहे हैं, जिससे धन राजयोग बनेगा। ऐसे में कुछ राशियों का भाग्य चमक सकता है।

वृष राशि : धन राजयोग का बनना वृष राशि के लोगों को अनुकूल सिद्ध हो सकता है क्योंकि शनि देव आपकी राशि से 11वें स्थान पर मार्गी होने जा रहे हैं। साथ ही शनि देव दशम स्थान के स्वामी भी हैं। इसलिए इस समय आपको काम-कारोबार में सफलता मिल सकती है। वहीं आपकी आय में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इस अवधि में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी। व्यवसायियों को नई डील्स या साझेदारियों से लाभ होगा।

तुला राशि : तुला राशि वाले जातकों के लिए शनि देव आपकी राशि से छठे स्थान पर मार्गी होने जा रहे हैं। साथ ही शनि देव आपकी राशि से पंचम और चतुर्थ स्थान के स्वामी हैं। इसलिए इस समय आपको भौतिक सुख प्राप्ति हो सकते हैं। साथ ही आप कोई वाहन या प्रापर्टी खरीद सकते हैं। वहीं संतान से जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है। कोर्ट- कचहरी के मामलों में सफलता, गुप्त शत्रुओं पर आप विजय पाएंगे। व्यापार विस्तार के लिए शुभ रहेगा।

धनु राशि : आप लोगों के लिए धन राजयोग का बनना लाभप्रद सिद्ध हो सकता है क्योंकि शनि देव आपकी राशि से चतुर्थ भाव में मार्गी होने जा रहे हैं। इसलिए इस समय आपकी सुख- सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। शनि देव आपकी राशि से दूसरे और तीसरे स्थान के स्वामी हैं। इसलिए इस समय आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। साथ ही आकस्मिक धनलाभ हो सकता है। पुराने निवेशों से अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

बच्चे सेहतमंद खाना खाते हैं तो वे बच सकते हैं सामान्य सर्दी-खांसी से

बारिश में बच्चों की देखभाल जरूरी, रोग क्षमता बढ़ाने जरूर खिलाएं सेहतमंद खाद्य पदार्थ

मानसून के दौरान बच्चों को कई बीमारियों का सामना करना पड़ जाता है। इसका कारण है कि इस मौसम में नमी बढ़ जाती है, जो बैक्टीरिया और वायरस को पनपने का मौका देती है। हालांकि, अगर बच्चे सेहतमंद खाना खाते हैं तो वे सामान्य सर्दी-खांसी से बच सकते हैं। आइए आज हम आपको खान-पान की कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताते हैं, जो मानसून के दौरान बच्चों की प्रतिरक्षा को मजबूत बनाने में मदद कर

लहसुन

लहसुन में कई ऐसे गुण होते हैं, जो बच्चों को संक्रमण और बीमारियों से बचाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा, इसमें मौजूद तत्व अन्य पोषक तत्वों के साथ मिलकर रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने का काम कर सकते हैं। लहसुन को हर दिन बच्चों के खाने में किसी न किसी रूप में जरूर शामिल करें। यह बच्चों की सेहत में सुधार ला सकता है और सर्दी-जुखाम के इलाज में भी मदद कर सकता है।

अंजीर

अंजीर एक तरह का फल और सूखा मेवा है। इसमें ऐसे तत्व होते हैं, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में आपकी सहायता कर सकते हैं। इसके अलावा, अंजीर में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं, जो शरीर की सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। आप चाहें तो बच्चों को सूखे अंजीर का सेवन करा सकते हैं या फिर अंजीर की चटनी बनाकर खिला सकते हैं। आप अंजीर से ये पौष्टिक व्यंजन तैयार कर सकते हैं।

नींबू पानी

नींबू विटामिन सी का एक बेहतरीन स्रोत है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के साथ पाचन को भी ठीक रखने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, नींबू में मौजूद तत्व शरीर में ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने का भी काम कर सकते हैं। इसके लाभ पाने के लिए गर्म या ठंडे पानी में आधा कटा हुआ नींबू निचोड़कर उसका सेवन करें। बच्चों को देते समय आप नींबू पानी में थोड़ा-सा शहद भी मिला सकते हैं।

दही

दही में ऐसे तत्व होते हैं, जो पाचन को सुधारने के साथ प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं। इतना ही नहीं, दही में कई पोषक तत्व भी पाए जाते हैं, जो बच्चों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। आप चाहें तो बच्चों को दही की लस्सी बनाकर पिला सकते हैं या फिर दही को किसी अन्य फल के साथ मिलाकर खिला सकते हैं। यह डेयरी उत्पाद पेट को ठंडा करने में भी सहायता करता है।

जुलाई से अगस्त तक अपने टेरेस गार्डन में उगाएं ये सब्जियां, बेहद आसान है तरीका

अगर आपके पास घर के अंदर या बाहर बागवानी करने के लिए ज्यादा जगह नहीं है तो आप अपने घर की छत पर ही खेती कर सकते हैं। इस तरह की खेती के लिए आप जुलाई से अगस्त तक की अवधि को चुन सकते हैं, क्योंकि इस दौरान हल्की धूप और पर्याप्त नमी होती है। आइए आज हम आपको ऐसी सब्जियों के बारे में बताते हैं, जिन्हें आप इस दौरान अपने टेरेस गार्डन में उगा सकते हैं।

पालक : पालक एक ऐसी सब्जी है, जो कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसलिए इसे खान-पान में शामिल करना फायदेमंद होता है।

इस पत्तेदार सब्जी को आप आसानी से अपने टेरेस गार्डन में उगा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले पालक के बीजों को गमले में डालें, फिर उन्हें रोजाना 2-3 बार पानी दें। 5-6 हफ्तों के अंदर पालक के पौधे तैयार हो जाएंगे, फिर आप उसे काटकर खाने में इस्तेमाल कर सकेंगे।

मूली : मूली भी एक ऐसी सब्जी है, जिसे आप अपने टेरेस गार्डन में बिना ज्यादा मेहनत के उगा सकते हैं। मूली को उगाने के लिए सबसे पहले इसके बीजों को गमले में डालें। इन बीजों को अच्छी गुणवत्ता वाली मिट्टी में लगाएं और उन्हें रोजाना 2-3 बार पानी दें। 4-6 हफ्तों के अंदर मूली के पौधे तैयार हो जाएंगे। वैसे तो मूली को किसी भी मौसम में उगाया जा सकता है, लेकिन बरसात में इसे उगाना सबसे सही रहता है।

धनिया : धनिया एक ऐसी जड़ी-बूटी है, जिसका इस्तेमाल कई तरह के पकवानों में किया जा सकता है। इसे उगाना भी काफी आसान है और यह हर व्यंजन के स्वाद को भी बढ़ाती है। सबसे पहले धनिये के बीजों को गमले में डालें और ऊपर से थोड़ी-सी मिट्टी डालें। इसके बाद इसे रोजाना थोड़ा पानी दें, ताकि मिट्टी सख्त न हो जाए। कुछ दिनों में ही धनिया के पौधे उगने शुरू हो जाएंगे।

पुदीना

पुदीना भी एक ऐसी जड़ी-बूटी है, जिसका इस्तेमाल भोजन में ताजगी और खुशबू जोड़ने के लिए किया जाता है। यह जड़ी-बूटी भी आसानी से टेरेस गार्डन में उगाई जा सकती है। इसके लिए सबसे पहले पुदीने की जड़ वाले तने को गमले में लगाएं और ऊपर से हल्की मिट्टी डालें। इसके बाद इसे रोजाना हल्का पानी दें, ताकि मिट्टी मुलायम बनी रहे। कुछ ही दिनों में पुदीने के पौधे उग जाएंगे, जो खाने योग्य होंगे।

हरी मिर्च

हरी मिर्च हर भारतीय पकवान का हिस्सा होती है, जिसे आप अपने टेरेस गार्डन में उगा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले हरी मिर्च के बीजों को गमले में डालें, फिर उन्हें रोजाना 2-3 बार पानी दें। 4-6 हफ्तों के अंदर हरी मिर्च के पौधे तैयार हो जाएंगे, फिर आप इन्हें काटकर इस्तेमाल कर सकेंगे। अच्छी बात यह होगी कि इन सभी पौधों को बरसात के कारण भी पर्याप्त पानी मिल जाएगा।

लघु या महारुद्राभिषेक, सावन में कौन सा अभिषेक करना होता है ज्यादा शुभ

पंचांग के अनुसार, इस साल सावन मास की शुरुआत 11 जुलाई से हुई है और इसका समापन 9 अगस्त को होगा। इस दौरान कुल 4 सावन सोमवार पड़ेंगे। इस दौरान रुद्राभिषेक का विशेष महत्व होता है, जिससे शिवजी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। भक्त पूरे मन से रुद्राभिषेक करते हैं ताकि उनकी सभी इच्छाएं पूर्ण हों। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सावन में लघु रुद्राभिषेक करना अधिक फलदायी होता है या महा रुद्राभिषेक? ऐसे में आइए जानते हैं दोनों अभिषेकों का महत्व और उनके लाभ।

रुद्राभिषेक क्या है : रुद्राभिषेक में भगवान शिव के शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। इसमें जल, दूध, दही, घी, शहद, गन्ने का रस आदि चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। इसके साथ ही, मंत्रों का उच्चारण किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि सावन माह में रुद्राभिषेक करने से घर में सुख-शांति आती है और शिव जी की कृपा प्राप्त होती है।

लघु रुद्राभिषेक के लाभ : लघु रुद्राभिषेक शिव की कृपा पाने का सरल और प्रभावशाली उपाय है। इसमें भक्त शिवलिंग पर जल, दूध, शहद अर्पित करते हुए 'ॐ नमः शिवाय' या महामृत्युंजय मंत्र का जप करते हैं। इसमें आमतौर पर पार्थिव शिवलिंग या किसी शिव मंदिर में स्थित शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। यह पूजा विशेष रूप से मानसिक अशांति, तनाव, नींद की कमी और पारिवारिक कलह को दूर करने में मदद करती है।

महा रुद्राभिषेक के लाभ : महा रुद्राभिषेक एक अत्यंत विस्तृत और प्रभावशाली वैदिक अनुष्ठान है, जिसमें विशेष पुजारियों द्वारा वेदों में वर्णित मंत्रों के साथ लंबा अभिषेक किया जाता है। इसमें अनेक वेदपाठी पंडित मिलकर विशेष मंत्रों के साथ शिवलिंग पर जल, दूध, घी, शहद और अन्य पवित्र द्रव्यों से अभिषेक करते हैं। यह पूजा विशेष रूप से उन लोगों के लिए की जाती है जिनकी कुंडली में गंभीर दोष जैसे कालसर्प, पितृ दोष या शनि दोष हो। ऐसा माना जाता है कि महा रुद्राभिषेक से जीवन में स्थिरता आती है। व्यक्ति को गंभीर रोगों से भी छुटकारा मिलता है।

सावन में अगर दिखे सांप, तो क्या है इसका अर्थ? जानिए शुभ या अशुभ संकेत

सनातन धर्म में सावन का महीना बेहद पवित्र और पुण्यदायी माना गया है। यह समय भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित होता है। जिस प्रकार सावन शिव भक्ति का प्रतीक है, उसी प्रकार शिव जी के गले में लिपटे हुए नाग को उनका दिव्य आभूषण माना जाता है। ऐसे में यदि सावन के दौरान आपको नाग या सांप दिखाई दे जाए, तो यह केवल एक संयोग नहीं बल्कि एक खास संकेत भी हो सकता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ऐसे दर्शन कई बार भविष्य से जुड़े शुभ या अशुभ संकेत भी दे सकते हैं।

सावन के महीने में सांप का दिखना : ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, सावन के पवित्र महीने में जीवित सांप का दिखाई देना बेहद शुभ संकेत माना जाता है। सांप का दर्शन शिव कृपा का प्रतीक माना जाता है। अगर आपको सावन के दौरान नाग देवता दिखाई दें, तो इसका अर्थ है कि आपकी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूर्ण होने वाली हैं। ऐसे शुभ संकेत दिखने पर भगवान शिव की पूजा करें, जल अर्पित करें और अपने अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करें।

मरा हुआ सांप दिखना : अगर सावन में आपको मरा हुआ नाग या सांप दिखाई दे, तो इसे शुभ नहीं बल्कि अशुभ संकेत माना जाता है। ऐसी घटना को नजरअंदाज न करें, बल्कि शिव जी के चरणों में शीश झुकाकर क्षमा प्रार्थना करें और अपनी गलतियों को सुधारने का संकल्प लें।

सांप का रास्ता काटना : सावन के महीने में यदि कोई सांप आपका रास्ता दाएं से बाएं काट जाए, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह संकेत देता है कि आप जिस काम के लिए जा रहे हैं, उसमें सफलता मिल सकती है और भगवान शिव की विशेष कृपा आप पर बनी हुई है। वहीं बाएं से दाएं तरफ रास्ता काटने पर सतर्कता बरतनी चाहिए।

पेड़ पर चढ़ता हुआ सांप का दिखना : सावन के महीने में अगर आपको कोई सांप पेड़ पर चढ़ता हुआ दिखाई दे, तो इसे बेहद शुभ संकेत माना जाता है। यह संकेत देता है कि आपके जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन आने वाला है।

ऑफिस के माहौल को सकारात्मकता और ताजगी से भरपूर बनाते हैं पौधे

ऑफिस में काम करना कई लोगों के लिए तनावपूर्ण हो सकता है। अगर आप अपने ऑफिस के माहौल को सकारात्मक और ताजगी से भरपूर बनाना चाहते हैं तो इसके लिए पौधे एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। पौधे न केवल आपके कार्यस्थल को सुंदर बनाते हैं, बल्कि वे मानसिक स्वास्थ्य पर भी अच्छा प्रभाव डालते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे पौधों के बारे में बताते हैं, जिन्हें ऑफिस के डेस्क पर रखना फायदेमंद है।

कम देखभाल वाला स्नेक प्लांट

स्नेक प्लांट एक ऐसा पौधा है, जिसे कम देखभाल की जरूरत होती है और इसे कहीं भी रखा जा सकता है। यह पौधा ऑक्सीजन का उत्पादन करता है और हानिकारक तत्वों को अवशोषित करके हवा को साफ रखता है। इसे हर 2-3 सप्ताह में एक बार पानी देने की जरूरत होती है और यह कम रोशनी में भी अच्छी तरह बढ़ता है, जिससे यह आपके ऑफिस के माहौल को ताजगी भरा बना सकता है।

ऑक्सीजन उत्पादन करता है एलोवेरा

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जो न केवल त्वचा की देखभाल में काम आता है बल्कि ऑफिस के माहौल को भी बेहतर बना सकता है। यह पौधा ऑक्सीजन का उत्पादन करता है और हवा से हानिकारक तत्वों को दूर करता है। इसे हर 2-3 सप्ताह में एक बार पानी देने की जरूरत होती है। एलोवेरा पौधे को कम रोशनी में भी रखा जा सकता है, जिससे यह आपके ऑफिस के माहौल को ताजगी भरा बना सकता है।

एक खास पौधा है स्पाइडर प्लांट

स्पाइडर प्लांट एक खास पौधा है, जिसे कहीं भी रखा जा सकता है। यह पौधा हवा से हानिकारक तत्वों को दूर करता है और ऑक्सीजन का उत्पादन करता है। इसे हर हफ्ते केवल एक बार पानी देने की जरूरत होती है। स्पाइडर प्लांट को कम रोशनी वाले स्थान पर भी रखा जा सकता है। यह आपके कार्यस्थल को ताजगी भरा बनाता है और मानसिक स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव डालता है।

मोटे पत्तों वाला रबर प्लांट

रबर प्लांट अपने मोटे पत्तों के लिए जाना जाता है, जो धूल-मिट्टी को अवशोषित करके हवा को साफ रखते हैं। इसे हर 2-3 सप्ताह में एक बार पानी देने की जरूरत होती है और यह कम रोशनी वाले स्थान पर भी बढ़ सकता है। रबर प्लांट कार्यस्थल को न केवल सुंदर बनाता है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी अच्छा प्रभाव डालता है। इन सभी पौधों को अपने ऑफिस के डेस्क पर रखकर आप सकारात्मकता का अनुभव कर सकते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

एक्शन मूवी द अकाउंटेंट टू का जलवा बॉक्स ऑफिस पर की ताबड़तोड़ कमाई

बेन अफ्लेक की नई फिल्म द अकाउंटेंट टू ने स्ट्रीमिंग पर जबरदस्त सफलता हासिल की है। इस फिल्म ने प्राइम वीडियो पर बड़ा रिकॉर्ड बना लिया है। बेन अफ्लेक, जो एक्टर, राइटर और डायरेक्टर हैं, पहली बार 1997 में गुड विल हंटिंग फिल्म से बड़े स्टार बने थे। उस फिल्म के लिए उन्होंने मैट डेमन के साथ मिलकर सक्रिप्ट लिखी थी और ऑस्कर भी जीता था। इसके बाद बेन अफ्लेक की कई फिल्में हिट रहीं. उन्हें दो बार ऑस्कर मिल चुका है। अब तक उनकी फिल्मों ने दुनियाभर में 6.4 बिलियन डॉलर से ज़्यादा का कारोबार किया है। उनकी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बैटमैन वी सुपरमैनः डॉन ऑफ जस्टिस है, जिसने 874.4 मिलियन डॉलर कमाए थे। इसके अलावा आर्मागेडन, पर्ल हार्बर और गॉन गर्ल जैसी फिल्में भी हिट रहीं। अब उनकी नई फिल्म द अकाउंटेंट टू ने भी इस लिस्ट में अपनी जगह बना ली है। 2025 में रिलीज हुई द अकाउंटेंट टू को लोग खूब देख रहे हैं। ये 2016 में आई द अकाउंटेंट का सीक्वल है। इस बार कहानी में बेन अफ्लेक और जॉन बर्नथल दो भाई बने हैं। जो मिलकर एक खतरनाक गैंग का पीछा करते हैं। फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमा में रिलीज हुई थी। इसने 80 मिलियन डॉलर के बजट पर 103.1 मिलियन डॉलर की कमाई की। फिलहाल ये 2025 की 19वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। इस फिल्म ने एलियो, अ वर्किंग मैन, द मंकी, अनटिल डॉन, और वन ऑफ देम डेज जैसी फिल्मों से ज्यादा कमाई की है। द अकाउंटेंट टू अब प्राइम वीडियो पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली दूसरी फिल्म बन चुकी है।

टॉलीवुड

34 साल का लड़का बना महंगा म्यूजिक कंपोजर, 1 फिल्म की फीस है 15 करोड़!

अनिरुद्ध रविचंदर इंडियन सिनेमा में अपने म्यूजिक से धमाल मचा रहे हैं। खास बात है कि म्यूजिक के लिए बड़े सुपरस्टार्स की पहली पसंद बन गए हैं। 34 साल के म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर ने अब तक इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों के साथ काम किया है, जिसमें शाहरुख खान और रंजनीकांत भी शामिल हैं। जवान और जेलर का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने ही तैयार किया था। अब खबर है कि अनिरुद्ध ने अपनी फीस बढ़ा दी है. तेलुगु सिनेमा की एक रिपोर्ट के अनुसार, अनिरुद्ध ने अपनी आने वाली तेलुगु फिल्मों के लिए फीस में काफी इजाफा कर दिया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने डायरेक्टर श्रीकांत ओडेला की द पैराडाइज (नानी की फिल्म) के लिए करीब 12 करोड़ रुपए चार्ज किए थे। अब अनिरुद्ध तेलुगु फिल्मों के लिए 15 करोड़ रुपए फीस की डिमांड कर रहे हैं। अब वह कम प्रोजेक्ट्स चुन रहे हैं और बड़ी फीस वसूल रहे हैं। हालांकि, इन आंकड़ों की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है, क्योंकि अनिरुद्ध या उनकी टीम की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। फिलहाल, अनिरुद्ध साउथ इंडियन और हिंदी सिनेमा की फिल्मों पर फोकस कर रहे हैं। इन दिनों वह रजनीकांत की कुली को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का पहला सिंगल चिकितु हाल ही रिलीज हुआ, जो वायरल हो गया है। इस गाने ने न सिर्फ फैंस को अपनी धुनों से झूमने पर मजबूर कर दिया, बल्कि रजनीकांत के आइकॉनिक स्टाइल को एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटा लाया।

भोजपुरी

माही और गोल्डी की नई जुगलबंदी 'साड़ी लेयादी बनारस से' सॉन्ग रिलीज

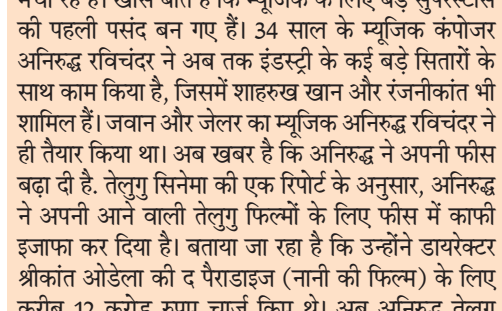

भोजपुरी की पॉपुलर एक्ट्रेस माही श्रीवास्तव जब भी किसी भोजपुरी सॉन्ग में नजर आती हैं तो वह अपने डांस और एक्टिंग से फैन्स का दिल जीत लेती हैं। माही श्रीवास्तव की एक्टिंग और डांस से सजा नया भोजपुरी गीत 'साड़ी लेयादी बनारस से' रिलीज हो गया है। इस भोजपुरी सांग को मशहूर सिंगर गोल्डी यादव ने गाया है। इस भोजपुरी सॉन्ग में गोल्डी यादव की आवाज और माही श्रीवास्तव की परफॉर्मेंस दोनों ही शानदार हैं। यह भोजपुरी गाना वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस भोजपुरी सॉन्ग के वीडियो में दिखाया गया है कि माही श्रीवास्तव किसी को अपनी पत्नी की नई साड़ी देते हुए देखती है तो उसका भी मन नई साड़ी पहनने का होता है। वह अपने हसबैंड को फोन करके कहती है कि राजा हो राजा हमके उपहार चाही जी, गरवा के हार अ सिंगार चाही जी, एगो साड़ी लाई जाके बनारस बलम...'। भोजपुरी सांग 'साड़ी लेयादी बनारस से' को लेकर माही श्रीवास्तव ने कहा, 'हर गाना मेरे लिए खास होता है। यह सांग भी दिल के बहुत करीब है। इसका सब्जेक्ट बहुत प्यारा है। इस गाने की शूटिंग करना बहुत मजेदार था। भोजपुरी सांग 'साड़ी लेयादी बनारस से' के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। इस गाने को गीतकार सूरज सिंह ने लिखा है, जबकि संगीतकार विकास यादव हैं।

वैशाली शदंगुले भारत की पहली महिला फैशन डिजाइनर हैं, जिन्होंने पेरिस फैशन वीक में डेब्यू किया था। उनकी ड्रेसेज हमेशा अलग स्टाइल की होती हैं और उनकी अनोखी क्रिएटिविटी देख हर कोई हैरान रह जाता है। इस बार भी उनका कलेक्शन दुनियाभर में चर्चा का विषय बन गया। उन्होंने इस फैशन वीक में ओशियन इंस्पायर डिजाइन पेश किए जो ऐसिमेट्रिकल, अनफिनिश्ड, उबड़-खाबड़ और बेजोड़ थे। इन्हें देख लग रहा था जैसे समुद्र की लहरें पानी से उठकर रैंप पर उतर आई हों। इस दौरान उन्होंने अपने 25 ड्रेस कलेक्शन को डिस्प्ले किया।

रिमझिम बारिश में भी सुंदर दिखने पहनें ऐसी पोशाक जो हों आरामदायक व स्टाइलिश

मानसून का मौसम उमस और बारिश लेकर आता है, जो अक्सर कपड़ों को गंदा कर देता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि आप अपने स्टाइल को छोड़ दें। सही कपड़े चुनकर और थोड़ी सावधानी बरतकर आप मानसून के मौसम में भी स्टाइलिश दिख सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे कपड़े और फैशन टिप्स देंगे, जो मानसून के दौरान आपको न केवल आरामदायक रखेंगे, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाएंगे।

हल्के रंगों के कपड़े चुनें : मानसून के दौरान हल्के रंगों के कपड़े पहनना सबसे अच्छा रहता है। ये न केवल आपको ठंडक देंगे, बल्कि इसपर बारिश के छींटों के निशान भी कम दिखाई देंगे। सफेद, पीला, हल्का नीला या गुलाबी जैसे रंग मानसून के लिए बेहतरीन हैं। इन रंगों के कपड़े आपको तरो-ताजा महसूस कराएंगे। इसके अलावा, हल्के रंगों के कपड़े धूप में जल्दी सूख भी जाते हैं, जिससे आपको अधिक आरामदायक महसूस होगा।

सूती कपड़ों का करें चयन : सूती कपड़े मानसून के लिए सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि ये नमी को जल्दी सोख लेते हैं और त्वचा को हवा लगने देते हैं। सूती साड़ी, सलवार-कमीज या कुर्ता-पजामा पहनकर आप न केवल आरामदायक महसूस करेंगी, बल्कि स्टाइलिश भी दिखेंगी। सूती कपड़े हल्के होते हैं और बारिश में भीगने के बाद जल्दी सूख जाते हैं, जिससे आपको मानसून के दौरान अधिक आरामदायक महसूस होगा।

छाता साथ रखें

छाता मानसून के दौरान बहुत जरूरी होता है, क्योंकि यह बारिश से बचाता है और कपड़ों को गंदा होने से भी रोकता है। एक हल्का और मजबूत छाता चुनें, जिसे आप आसानी से साथ लेकर चल सकें। इसके अलावा, अगर आप बाहर जा रही हैं तो एक छोटा बैग या पर्स रखें, जिसमें आपका छाता आसानी से समा जाए। इससे आप बारिश में भीगने से बच जाएंगी और आपका स्टाइल भी बरकरार रहेगा।

हल्के मेकअप का करें उपयोग

मानसून में भारी मेकअप करना सही नहीं होता, क्योंकि यह पसीने और नमी के कारण फैल सकता है। इसलिए हल्का मेकअप ही करें, जिसमें मॉइस्चराइजर, सनस्क्रीन, काजल और लिप बाम शामिल हों। इससे आपका चेहरा सुंदर दिखेगा और पसीने से बचा रहेगा। इसके अलावा, फाउंडेशन के बजाय कंसीलर का इस्तेमाल करें। इन सरल फैशन टिप्स की मदद से आप मानसून के मौसम में भी स्टाइलिश दिख सकती हैं और आरामदायक महसूस कर सकती हैं।

काली जींस के साथ बहुत अच्छे लगते हैं इन रंगों वाले टॉप

फैशन

महिलाओं को काले रंग की जींस पसंद होती है, जो हर परिधान के साथ जंचती है। यह न केवल स्टाइलिश दिखती है, बल्कि हर मौके पर पहनने के लिए सही रहती है। अगर आप सोच रही हैं कि काले रंग की जींस के साथ कौन-से टॉप पहनने चाहिए तो चिंता न करें।

आज के फैशन टिप्स में हम आपको ऐसे रंगों के टॉप बताएंगे, जो काली जींस के साथ अच्छे लगते हैं और आपको आकर्षक दिखा सकते हैं।

सफेद रंग का टॉप : सफेद रंग का टॉप हमेशा से ही काली जींस के साथ बढ़िया लगता है। आप इन संयोजन को अपनाकर सबसे सुंदर दिख सकती हैं। सफेद टॉप पहनकर आप एक साफ-सुथरा और पेशेवर लुक पा सकती हैं। इसे आप ऑफिस, कॉलेज या किसी भी औपचारिक मौके पर पहन सकती हैं। आप काली जींस के ऊपर सफेद रंग की शर्ट, टी-शर्ट, ऑफ शोल्डर टॉप या हाल्टर नेक टॉप स्टाइल कर सकती हैं।

लाल रंग का टॉप : लाल रंग का टॉप काली जींस पर जंचता है और सभी का ध्यान आकर्षित कर सकता है। अगर आप किसी पार्टी या खास जगह पर जाना चाहती हैं तो काली जींस पर लाल रंग का टॉप एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसे पहनकर आप न केवल आकर्षक दिखेंगी, बल्कि आत्मविश्वास से भरपूर भी महसूस करेंगी। लाल रंग जुनून, प्यार, शक्ति और इच्छा को दर्शाता है और काले के साथ बहुत अच्छा लगता है।

नीले रंग का टॉप : काली जींस के साथ नीले रंग वाला टॉप भी बहुत शानदार लग सकता है। यह रंग न केवल आपको ताजगी देगा, बल्कि यह आपको युवा और ऊर्जा से भरपूर भी दिखाएगा। नीले रंग का टॉप ऑफिस, कॉलेज या दोस्तों के साथ बाहर जाने के लिए सही है। आप अवसर और समय के अनुसार नीले के गहरे या हल्के शेड में से चुनाव कर सकती हैं। इस रंग का टॉप काले रंग की डेनिम जींस के साथ सबसे बढ़िया लगेगा।

पीले रंग का टॉप : पीले रंग का टॉप गर्मियों में काली जींस के साथ बहुत अच्छा लगता है। यह रंग आपको खुशमिजाज दिखाएगा और सकारात्मक ऊर्जा से भर देगा। पीले रंग के टॉप के साथ काली जींस पहनकर आप एक आकर्षक और आरामदायक लुक पा सकती हैं। इन दिनों बटर येलो यानि मक्खन वाला पीला रंग बहुत चलन में है। इस रंग के टॉप को आप काली जींस के साथ पेयर करके सबसे अलग दिख सकती हैं।

हरे रंग का टॉप : हरे रंग का टॉप भी काली जींस के साथ बहुत बढ़िया लगता है। यह रंग आपको ताजगी देगा और पर्यावरण के प्रति आपकी संवेदनशीलता को दर्शाएगा। हरे रंग का टॉप कॉलेज, स्कूल या दोस्तों के साथ बाहर जाने के लिए बढ़िया रहता है।

हिमाचल के पारंपरिक परिधानों को करें अपने फैशन में शामिल, पहन कर देखें

हिमाचल प्रदेश के पारंपरिक कपड़े अपनी रंगीनता और विविधता के लिए जाने जाते हैं। ये कपड़े न केवल वहां की संस्कृति को दर्शाते हैं, बल्कि पहनने वाले को एक खास पहचान भी देते हैं। हिमाचली कपड़े अपने अनोखे डिजाइन और रंगों की वजह से बेहद आकर्षक लगते हैं। आज के फैशन टिप्स में जानिए आपको अपनी अलमारी में कौन-से हिमाचली कपड़े शामिल करने चाहिए। आज इन्हें पहनकर सबसे ज्यादा सुंदर लगेंगी।

चोली और कुर्ती : हिमाचल प्रदेश की महिलाएं चोली और कुर्ती पहनती हैं, जो कि बहुत ही सुंदर और आरामदायक होती हैं। ये कपड़े न केवल पारंपरिक होते हैं, बल्कि इनमें कढ़ाई का काम भी होता है, जो इन्हें खास बनाता है। चोली और कुर्ती को आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं, चाहे वह त्योहार हो या कोई शादी-ब्याह का कार्यक्रम। इनकी रंगीनता और डिजाइन आपको एक अलग ही लुक देते हैं।

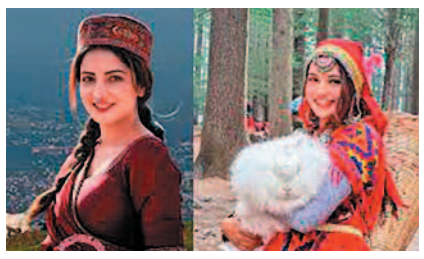

आरामदायक सूती व ऊनी पायजामा

पायजामा हिमाचली कपड़ों का एक अहम हिस्सा है, जो कि बहुत ही आरामदायक होता है। यह पायजामा आमतौर पर सूती या ऊनी कपड़े से बने होते हैं और इनमें कढ़ाई का काम भी होता है। सर्दियों में ऊनी पायजामा पहनना सबसे अच्छा रहता है, क्योंकि यह आपको गर्म रख सकता है।

दुनिया में प्रसिद्ध हिमाचली टोपी

हिमाचली टोपी भी पूरी दुनिया में बहुत प्रसिद्ध है, जिसे हर उम्र के लोग पहनते हैं। इस टोपी को 'कुल्ला' भी कहा जाता है, जो आमतौर पर ऊनी होती है और इसमें रंग-बिरंगे धागों से कढ़ाई की जाती है। कुल्ला न केवल सिर को गर्म रखता है, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बना सकता है। इसे आप किसी भी पारंपरिक या आधुनिक कपड़ों के साथ पहन सकती हैं, जिससे आपका स्टाइल और भी बढ़ जाएगा।

चमड़े के फैशन आइटम बैग, जूते, जैकेट का ऐसे रखें ध्यान, नहीं होंगे खराब

मानसून के दौरान नमी और बारिश के कारण चमड़े के फैशन आइटम को खास देखभाल की जरूरत होती है। इस मौसम में बारिश के संपर्क में आने से चमड़े के बैग, जूते और जैकेट खराब हो सकते हैं इसके अलावा, नमी के कारण इन पर फफूंद लग सकती है या ये छिल सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे फैशन टिप्स देते हैं, जिनकी मदद से मानसून के दौरान आप आपके चमड़े के फैशन आइटम को सुरक्षित रख सकेंगे।

पानी के संपर्क में आने से बचाएं : चमड़े के फैशन आइटम को पानी के संपर्क में आने से बचाना सबसे जरूरी है। अगर आपको बारिश में बाहर जाना है तो अपने चमड़े के बैग या जूतों को प्लास्टिक की थैली में रखें। इसके अलावा, अगर चमड़े के फैशन आइटम पर पानी गिर भी जाए तो तुरंत एक मुलायम कपड़े से उन्हें पोंछ

दें। कभी भी गीले चमड़े की चीजों को सीधे धूप में न रखें, वर्ना उनका रंग फीका पड़ सकता है।

नियमित रूप से साफ करें : मानसून के दौरान चमड़े के फैशन आइटम पर धूल और गंदगी जम सकती है, इसलिए इन्हें नियमित रूप से साफ करना जरूरी है। इसके लिए एक मुलायम कपड़े या ब्रश से उन्हें हल्के हाथों से पोंछे। आप चाहें तो इसके लिए हल्के साबुन के घोल का भी उपयोग कर सकते हैं। ध्यान रखें कि साबुन बहुत कठोर न हो, ताकि चमड़े को नुकसान न पहुंचे। इसके बाद एक मुलायम तौलिये से उन्हें पोंछे और हवा लगने दें।

नमी बनाए रखने के लिए उपाय : चमड़े की चीजें नमी सोखती हैं, जिससे वे सूख जाती हैं और फट जाती हैं। इससे बचाने के लिए अपने चमड़े के फैशन आइटम पर नमी बनाए रखें, जिसके लिए उनपर मॉइस्चराइजर लगाना सही निर्णय हो सकता है। आप चाहें तो इसके लिए बाजार में उपलब्ध मॉइस्चराइजर के बजाय जैतून का तेल या नारियल का तेल भी उपयोग कर सकते हैं। इससे चमड़े को नमी मिलेगी और वह मुलायम बना रहेगा।

फफूंद से बचाएं : मानसून के दौरान ज्यादा नमी के कारण फफूंद लगने की संभावना ज्यादा रहती है। इससे बचाने के लिए अपने चमड़े के फैशन आइटम को सूखी और हवादार जगह पर रखें। इसके अलावा, समय-समय पर हल्के हाथों से उसे पोंछे, ताकि फफूंद न लग सके।

कार्नर न्यूज

बारिश से बचाव हो सके और आप हर हाल में अच्छे दिखें

लड़के चुनें आराम और स्टाइल के लिए ऐसे कपड़े जिसमें दिखें सबसे अलग

मानसून का मौसम अपने साथ उमस और बारिश लेकर आता है, जो कपड़ों को चुनने में मुश्किलें खड़ी कर देता है। इस मौसम में पुरुषों को ऐसे कपड़े पहनने चाहिए, जो न सिर्फ आरामदायक हों, बल्कि स्टाइलिश भी दिखें। इस दौरान सही कपड़ों का चयन करना जरूरी है, ताकि नमी और बारिश से बचाव हो सके और आप हर हाल में अच्छे दिखें। आज के फैशन टिप्स में जानिए कि मानसून में पुरुषों को कैसे कपड़े पहनने चाहिए।

सूती कपड़ों का चयन करें

सूती कपड़े मानसून के लिए सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि ये त्वचा को हवा लगने देते हैं और पसीना सोख लेते हैं। मानसून में सूती शर्ट, टी-शर्ट और पैंट पहनें, ताकि आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगे। सूती कपड़ों का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे ढीले-ढाले हों, ताकि हवा का संचार होता रहे और आप नमी से बचे रहें। इसके अलावा, सूती कपड़े बारिश में भीगने के बाद भी जल्दी सूख जाते हैं।

हल्के कपड़ों का इस्तेमाल करें

मानसून में मोटे कपड़े पहनना सही नहीं होता, क्योंकि उन्हें पहनकर पसीना आ सकता है और असुविधाजनक महसूस हो सकती है। इसलिए लिनन या सूती से बने हल्के कपड़ों का चयन करना बढ़िया रहता है। ये कपड़े न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि गर्मी से भी बचाकर रखते हैं। इसके अलावा, हल्के कपड़े पहनने से आप हर स्थिति में तरोताजा और ठंडक भी महसूस कर सकते हैं। इन कपड़ों में हवा का संचार भी होता रहता है।

हल्के रंगों के कपड़े चुनें

मानसून के दौरान हल्के रंगों के कपड़े पहनना सबसे अच्छा रहता है। ये न केवल आपको तरोताजा महसूस कराएंगे, बल्कि इनमें बारिश के पानी के दाग भी कम नजर आएंगे। सफेद, हल्का नीला, पीला या हल्का हरा जैसे रंग इस मौसम के लिए बढ़िया रहते हैं। इन रंगों के कपड़े पहनने से आप न केवल आरामदायक महसूस करेंगे, बल्कि मौसम की उमस से भी बचे रहेंगे। साथ ही हल्के रंग के कपड़े आपको हर स्थिति में स्टाइलिश दिखाएंगे।

हल्की जैकेट पहनें

बारिश के दिनों में ठंड लग सकती है, इसलिए आप अपने साथ एक हल्की जैकेट रख सकते हैं। जब जरूरत पड़े तो उसे पहन लें। लिनन या सूती कपड़े से बनी हल्की जैकेट अच्छी विकल्प हो सकती हैं। ये न केवल आपको ठंड से बचाएगी, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाएगी। इसके अलावा, इन जैकेट की मदद से आप बारिश से भी बच सकते हैं और आरामदायक महसूस कर सकते हैं। इन्हें आप किसी भी कपड़े के साथ पहन सकते हैं।

सही जूते चुनें

मानसून में जूते चुनते समय फिसलन रहित तलवों वाले जूतों का चयन करें, ताकि फिसलन वाली सतहों पर चलना आसान हो। रबर या पीवीसी तलवों वाले जूते इस मौसम के लिए सबसे अच्छे होते हैं। इसके अलावा, वाटर प्रूफ जूते भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं, जो बारिश के पानी से प्रभावित नहीं होते।